



अजब-गजब मध्यप्रदेश...अजब-गजब सरकारी अधिकारी-कर्मचारी

डॉन तहसीलदार...और पांच पटवारी गुर्गे

देश का अनोखा किडनैप कांड- जावद जनपद पंचायत के सीईओ का बेटमा तहसीलदार ने पांच पटवारियों और एक महिला के साथ मिलकर कर लिया अपहरण, प्रेम प्रसंग का एंगल आया सामने

नीमच/इंदौर/धार/उज्जैन। नीमच में जावद जनपद पंचायत के सीईओ का फिल्मी स्टाइल में अपहरण कर लिया गया। अपहरण करने वाले भी कोई साधारण लोग नहीं थे बल्कि तहसीलदार और पटवारियों की टोली थी जो सीईओ को सुबह-सुबह स्कार्पियो गाड़ी में किडनैप कर ले जा रहे थे। एक बोलेरो गाड़ी भी थी हालांकि तहसीलदार और पटवारी अपने मंसूबों को पूरी तरह से अंजाम दे पाते इससे पहले ही उज्जैन जिले के नागदा में पुलिस ने घेराबंदी कर अपहरणकर्ताओं को पकड़ लिया और सीईओ को सुरक्षित उनके चंगुल से बचा लिया। अपहरण का यह मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा बताया जा रहा है। पुलिस मामले में आगे जांच कर रही है। आरोपियों में तहसीलदार जगदीश सिंह, पटवारी प्रमोद दास, अजय सिंह, अजय उच्छावल, पंकी सिंह के साथ 12 लोग शामिल हैं। नीमच कैंट टीआई पुष्पा सिंह चौहान के मुताबिक शहर के किलेश्वर रोड स्थित ऑफिसर्स कॉलोनी से जनपद पंचायत जावद के सीईओ आकाश धुर्वे के अपहरण की सूचना गुरुवार को उनके भाई ने थाने पर दी। इसके बाद पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ अपहरण का मुकदमा प्रकरण क्रमांक 72/2025 दर्ज किया। जांच में सामने आया कि बुधवार रात कुछ लोगों ने जनपद सीईओ के निवास पर विवाद किया था। गुरुवार सुबह यही लोग एक स्कार्पियो और एक बोलेरो से जनपद सीईओ का अपहरण कर ले गए। इस सूचना के बाद से उज्जैन पुलिस से संपर्क साधा गया। नीमच पुलिस ने नागदा के समीप से जनपद सीईओ आकाश धुर्वे को अपहरणकर्ताओं से मुक्त कराया। मौके से 6 आरोपियों को गिरफ्तार कर अपहरण में इस्तेमाल किए



गए दोनों वाहन भी जब्त किए हैं। पकड़े गए आरोपियों में तहसीलदार सहित 6 आरोपी शामिल हैं। तहसीलदार इंदौर जिले में पदस्थ है। अपहरण का यह मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा बताया जा रहा है। मामले में सभी पहलुओं को सामने रख जांच की जा रही है। **किडनैपर्स की गाड़ी को मशक़त के बाद पकड़ा** सीईओ की किडनैपिंग और किडनैपर्स की गाड़ी नागदा की तरफ आने की सूचना मिलने के बाद नागदा की मंडी पुलिस ने गुरुवार सुबह 8.45 बजे से नाकाबंदी कर ली थी। करीब 10 बजे काले रंग की स्कार्पियो आती दिखी। पुलिस को देख स्कार्पियों चालक ने रफ्तार से निकालने की कोशिश की, लेकिन कार रोकने के लिए नाकाबंदी में तैनात एक पुलिसकर्मी ने कार के कांच पर लट्टू मार दिया। इससे चालक संतुलन खो बैठा और उसने आगे चल रही बलैनों कार में टक्कर मार दी। पुलिस के गाड़ी रोकते ही लोगों ने स्कार्पियो सवारों पर हमला करने की कोशिश की। हालांकि पुलिस

बीच-बचाव करते हुए आरोपियों को हिरासत में लेकर रवाना हो गई। चूंकि नीमच और उज्जैन एसपी एक-दूसरे के संपर्क में थे, ऐसे में उज्जैन एसपी प्रदीप शर्मा के पाईट पर नागदा पुलिस ने उज्जैन-जावरा बायपास राजस्थानी होटल के सामने नाकाबंदी करके आरोपियों को पकड़ा। **पुलिस ने सिविल ड्रेस में की कार्रवाई** घटना का एक वीडियो सामने आया है। इसमें काले रंग की स्कार्पियो को रोकने के लिए पुलिस सड़क पर खड़ी दिख रही है। जैसे ही गाड़ी पास आती है, सिविल ड्रेस में खड़े पुलिसकर्मी गाड़ी को रोक लेते हैं। पुलिस ने इस मामले में इंदौर में पदस्थ नायब तहसीलदार सहित दो वाहनों में सवार बारह आरोपियों को गिरफ्तार कर नीमच लाया है। इस तरह यह है प्रेम प्रसंग से जुड़ा मामला मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा बताया जा रहा है। बेटमा में पदस्थ तहसीलदार जगदीश रंधावा की चचेरी बहन पंकी सिंह की शादी की बात जनपद पंचायत सीईओ



आकाश धारवे से वर्ष 2014 में चल रही थी। बताया जा रहा है कि दोनों लंबे समय तक लिव इन में रह रहे थे। इसके बाद जनपद पंचायत सीईओ आकाश, पंकी को साथ रखने के लिए तैयार नहीं थे। ऐसे में तहसीलदार मामला सेटल करने के लिए जनपद पंचायत सीईओ के पास पहुंचे। खबर यह भी है कि बुधवार रात पंकी ने अपने परिजनों के साथ नीमच में ऑफिसर कॉलोनी स्थित जनपद पंचायत सीईओ के आवास पर पहुंचकर हंगामा किया था। नीमच पुलिस की समझाइश पर पंकी के परिजन आकाश धारवे के बंगले से चले गए, लेकिन गुरुवार सुबह पंकी, तहसीलदार जगदीश रंधावा अपने साथियों के साथ जनपद पंचायत सीईओ को जबरन गाड़ी में बैठाकर निकल गए। **अपहरण कर आखिर कहाँ ले जा रहे थे?** बताया जा रहा है कि पंकी सिंह के समाज का रिवाज है कि अगर लड़के के यहां लड़की चली जाती है तो पंचायत बैठती है और पंचायत में फैसला होता है। सीईओ को पंचायत में बैठाने के लिए

जबरदस्ती ले जाने की खबर सामने आई है। नीमच पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। जनपद सीईओ ने कहा- फिरौती मांगी गई जनपद सीईओ आकाश धुर्वे के मुताबिक बुधवार रात 12 बजे 12 लोग मेरे क्वार्टर पहुंचे और हंगामा करने लगे। गुरुवार सुबह 6 बजे मैं अपने भाई और परिवार के साथ क्वार्टर से घर निकला था, तभी ये लोग गोमा बाई रोड पर मेरी गाड़ी रोककर मारपीट करने लगे। इसके बाद जबरन मुझे अपनी गाड़ी में बैठा लिया। रास्ते में मारपीट और धमिकयां देते रहे। यह पूरा मामला ब्लैकमेलिंग का है। मुझसे फिरौती मांगी गई। ऐसा न करने पर धमकाया जाता था। पूरे मामले में 5 पटवारी 1 तहसीलदार शामिल हैं। महिला से मेरा संपर्क था, वह मेरे गांव की है। मेरी बातचीत होती थी, लेकिन यह नहीं पता था, कि ब्लैकमेलिंग के लिए यह सब कुछ कर रहे हैं। मैं पुलिस-प्रशासन को धन्यवाद देना चाहता हूँ, जिन्होंने समय पर सही सलाहत मुझे वापस लाया।

धार निवासी हैं सीईओ जांच में सामने आया है कि सीईओ धुर्वे धार निवासी हैं। 2014 में उनकी शादी की बात धार की ही पंकी सिंह से चली थी। पंकी तहसीलदार जगदीश रंधावा की रिश्तेदार हैं। बुधवार रात पंकी ने परिजन के साथ सीईओ धारवे के नीमच में ऑफिसर कॉलोनी स्थित आवास में पहुंचकर हंगामा किया था। पुलिस भी मौके पर पहुंची थी। पंकी और परिजन को समझा-बुझाकर मामला शांत कराया था। सुबह पंकी और तहसीलदार जगदीश अपने साथियों को लेकर धारवे के घर पहुंचे और अपहरण कर लिया। उन्हें जबरन गाड़ी में बैठाकर इंदौर की तरफ ले गए।

-नवल सिंह सिसोदिया, एसपी नीमच आरोपियों को नीमच पुलिस को सौंपा हमें कंट्रोल रूम पर सूचना मिली थी कि किसी प्रशासनिक अधिकारी का अपहरण किया गया है। उसी आधार पर हमने अगवा किए गए व्यक्ति को छुड़ाया और आरोपियों को गिरफ्तार किया। इन्हें नीमच पुलिस को सौंपा गया है। **-बृजेश श्रीवास्तव, एसपी नागदा** सीईओ के भाई ने दी सूचनानीमच के किलेश्वर रोड स्थित ऑफिसर्स कॉलोनी से जनपद पंचायत जावद के सीईओ आकाश धुर्वे के अपहरण की सूचना गुरुवार को उनके भाई ने थाने पर दी। इसके बाद पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ अपहरण का मुकदमा प्रकरण क्रमांक 72/2025 दर्ज किया। शुरुआती जांच में सामने आया कि बुधवार रात कुछ लोगों ने जनपद सीईओ के निवास पर विवाद किया था। सुबह यही लोग एक स्कार्पियो और एक बोलेरो से जनपद सीईओ का अपहरण कर ले गए। इस सूचना के बाद से उज्जैन पुलिस से संपर्क साधा गया। **-पुष्पा सिंह चौहान, टीआई नीमच कैंट**

भोपाल-इंदौर में 36 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से चलीं सर्द हवाएं, 20 शहरों में 12 डिग्री से नीचे रहा तापमान

उत्तर भारत में बर्फबारी का असर मध्यप्रदेश में भी देखने को मिल रहा है। पिछले तीन दिन से यहां सर्द हवाओं का दौर जारी है। इंदौर में 34 से 36 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से हवा चली। हालांकि, तेज धूप के चलते उतनी ठिठुरन नहीं है, लेकिन तापमान में गिरावट जरूर दर्ज की गई। फरवरी में पहली बार दिन का तापमान 22 डिग्री दर्ज किया गया।

तेज हवाओं से बढ़ी ठिठुरन मौसम विभाग के मुताबिक, मध्य प्रदेश में शुक्रवार को भी सर्द हवाएं चलेंगी। शनिवार को 2-3 डिग्री तक तापमान बढ़ सकता है। गुरुवार को भोपाल में 18 से 20 किमी और इंदौर एयरपोर्ट पर 24 से 35 किमी प्रतिघंटे की स्पीड से हवाएं चलीं। अमूमन इनकी स्पीड 6 से 8 किमी प्रतिघंटा रहती है। शुक्रवार को तेज हवाओं से ठिठुरन बनी रहेगी। **राजगढ़ में सबसे कम तापमान** मध्य प्रदेश के दर्जनभर शहरों में न्यूनतम तापमान 12 डिग्री से नीचे रहा। सबसे कम 8.4 डिग्री तापमान राजगढ़ में रिकॉर्ड किया गया। जबकि, शाजापुर के गिरवर में 8.8 डिग्री, पचमढ़ी में 8.9, सीहोर और शहडोल में 9.1, छतरपुर के नौगांव में 10.2, छतरपुर के खजुराहो में 10.4, गुना 10.4, सतना के

चित्रकूट में 10.7, सिंगरौली के देवरा में 10.8, उज्जैन में 10.8, रायसेन में 10.9, बड़वानी के तलुन में 11, नीमच के मारूखेड़ा में 11, उमरिया में 11, मंडला में 11, टीकमगढ़ में 11.7, रतलाम और सतना में 12 डिग्री टेम्प्रेचर रिकॉर्ड किया गया। **दिन के तापमान में भी गिरावट** बर्फौली हवाओं के चलते दिन के तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई। गुरुवार को पचमढ़ी में अधिकतम तापमान 21.6 डिग्री सेल्सियस रहा। रायसेन में यह 23.2 डिग्री, धार में 23.7 डिग्री, रीवा और नौगांव में अधिकतम तापमान 24 डिग्री, सिवनी में 24.2 डिग्री, सीधी में 24.4 डिग्री, सागर और उमरिया में 25.1 डिग्री, सतना में 25.3 डिग्री, दमोह और गुना में 25.5 डिग्री और बैतूल में 25.7 डिग्री तापमान रहा। **भोपाल में 25.8 डिग्री, इंदौर में 23.5 डिग्री तापमान** भोपाल में अधिकतम तापमान 25.8 डिग्री, ग्वालियर में 25.4 डिग्री, उज्जैन में 25 डिग्री, इंदौर में 23.5 डिग्री और जबलपुर में 23.8 डिग्री तापमान दर्ज किया गया। इससे पहले बुधवार-गुरुवार की रात में भी पारे में गिरावट देखने को मिली थी।

इंदौर में भीषण हादसा: महाकाल के दर्शन कर लौट रहे श्रद्धालुओं का वाहन टैंकर से भिड़ा, 4 की मौत, 17 घायल

मध्य प्रदेश के महु (इंदौर) में शुक्रवार की अलसुबह भीषण सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार ट्रैवलर ने बाइक को टक्कर मारते हुए टैंकर में जा घुसी। मानपुर के पास हादसे में 4 श्रद्धालुओं की मौके पर मौत हो गई। जबकि, 17 लोग गंभीर रूप से घायल हैं। उन्हें इंदौर के एमवाय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दुर्घटनाग्रस्त सभी

लोग महाकाल दर्शन कर लौट रहे थे। पुलिस ने बताया कि सभी श्रद्धालु महाराष्ट्र के कर्नाटक गांव से उज्जैन आए थे। बाबा महाकाल के दर्शन कर वह ट्रैवलर से लौट रहे थे, तभी शुक्रवार तड़के करीब 3 बजे एक्सीडेंट हो गया। 17 घायलों को एमवाय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एक बच्चा पीआईसीयू में एडमिट है। शेष का

अन्य वाहों में उपचार चल रहा है। मानपुर पुलिस के मुताबिक, सड़क हादसे में बाइक सवार हिमांशु और शुभम की भी मौत हो गई है। हिमांशु धरमपुरी और शुभम संंधवा का रहने वाला है। साथ ही ट्रैवलर सवार दो महिलाओं ने इस हादसे में जान गंवाई है। पुलिस मृतकों के शव पोस्टमार्टम के लिए मर्चुरी में रखवा दिया है।



यादव के नाम करा दी। हुकुम सिंह, बालमुकुंद और शिवचरण ने सन 2000 में कानूनी प्रक्रिया अपनाते हुए यह जमीन अपने नाम करा ली। 2018 में पंचायत बैठी और जमीन का एक हिस्सा पंचम सिंह, शिवचरण और बालमुकुंद को दिया गया। जबकि, दूसरा हिस्सा पंचम सिंह की पत्नी कमला यादव और उनके बेटे रामू व रामबरन यादव के नाम हुआ। 2021 में कमला और उनके बेटों ने फर्जी दस्तावेज तैयार कर पूरी जमीन अपने नाम करा ली। 2021 में कोर्ट ने हुकुम सिंह के पक्ष में फैसला सुनाया, लेकिन दूसरा पक्ष मानने को तैयार नहीं हुआ।

दोनों पक्षों से हुई ताबड़तोड़ फायरिंग बुधवार को चौपाल में मौजूद रिश्तेदार आपसी सहमति से विवाद सुलझाने के लिए बुलाया था, लेकिन पंचम सिंह की पत्नी कमला और उनके बेटे रामबरन उर्फ रामू, रणवीर और दिनेश पिस्टल, माउजर और बंदूक लेकर पहुंच गए। बात बढ़ी तो चाचा हुकुम सिंह, शिवचरण, बालमुकुंद और पुरुषोत्तम पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। दूसरी ओर से भी जवाबी फायरिंग हुई है। इस गोलीबारी में पूर्व सरपंच शिवचरण सिंह यादव, उनका बेटा पुरुषोत्तम सिंह यादव, धीरज यादव और बालमुकुंद सिंह यादव घायल हो गए। कमला का बेटा रामबरन और दिनेश यादव भी घायल हैं।

यह भी अजब-गजब...बच्चे के गाल पर गहरा घाव नर्स ने टांके की जगह लगा दिया फेविक्रिक



बेंगलुरु। कर्नाटक के एक सरकारी अस्पताल में गंभीर मेडिकल लापरवाही का मामला सामने आया है। यहां एक नर्स ने सात वर्षीय बच्चे के गाल के गहरे घाव पर टांके लगाने की बजाय फेविक्रिक लगा दिया। बताया जा रहा है कि उसने कहा था कि टांके से बच्चे के गाल पर निशान हमेशा रह जाएंगे। इस दौरान बच्चे के मां-पिता लगातार विरोध करते रहे। वह कहती रही कि कई वर्षों से ऐसा ही कर रही है। इस घटना के बाद नर्स को निर्लांबित कर दिया गया है। बच्चे की हालत पर भी स्वास्थ्य विभाग ने बयान जारी किया है। यह चौंकाने वाली घटना हावेरी जिले के हानागल तालुक स्थित अडूर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में हुई। घायल बच्चा गुरुकीशन अन्नप्पा होसामनी को गाल पर गंभीर चोट लगने के बाद इलाज के लिए अस्पताल लाया गया था। नर्स ज्योति ने घाव पर टांके लगाने के बजाय फेविक्रिक लगा दिया और कहा कि टांकों से स्थायी निशान पड़ सकते थे। बच्चे के माता-पिता, नर्स की इस असंवेदनशील और गैर-पेशेवर हरकत से हैरान रह गए। उन्होंने नर्स का वीडियो रिकॉर्ड किया, जिसमें वह आत्मविश्वास से कह रही थी कि वह वर्षों से इसी

तरीके का उपयोग करके लोगों का इलाज कर रही है। इस घटना से नाराज माता-पिता ने आधिकारिक शिकायत दर्ज कराई और वीडियो को सबूत के रूप में प्रस्तुत किया। शुरुआती कार्रवाई में, स्वास्थ्य विभाग ने नर्स ज्योति का तबादला 3 फरवरी को हावेरी तालुक के गुटथल हेल्थ इंस्टीट्यूट में कर दिया। इस मामली से ऐक्शन से लोग भड़क गए। जिससे शीर्ष अधिकारियों को दखल देना पड़ा। इसके बाद कर्नाटक के मुख्य सचिव की अध्यक्षता में हुई उच्चस्तरीय बैठक के बाद, स्वास्थ्य विभाग ने नर्स को निर्लांबित करने का फैसला लिया। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण सेवा आयुक्त कार्यालय के बयान के अनुसार- फेविक्रिक को चिकित्सा उपचार के लिए अधिकृत नहीं किया गया है। नर्स का यह कार्य गंभीर लापरवाही के तहत आता है। भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए सख्त कदम उठाए जाएंगे। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि बच्चे की हालत अब स्थिर है। हालांकि, उन्हें किसी भी संभावित स्वास्थ्य जटिलताओं से बचाने के लिए डॉक्टरों की निगरानी में रखा गया है।

मौसम का बड़ा उलटफेर! ठंड फिर लौटी, बारिश का नया अलर्ट

इंदौर। इंदौर समेत मध्यप्रदेश में कड़ाके की ठंड से राहत मिल गई थी लेकिन बुधवार रात और गुरुवार सुबह से फिर शील लहर लौट आई है और तापमान में तेजी से बदलाव देखा जा रहा है। बुधवार को दिन का पारा सीधे पांच डिग्री गिरा और 25.4 पर आ गया वहीं रात का पारा भी 2 डिग्री गिरा और 13.8 पर आ गया। वहीं गुरुवार को दिन का पारा और दो डिग्री गिरकर 23.5 पर और रात का पारा 0.4 गिरकर 13.4 डिग्री पर आ गया। शीत लहर का यह आलम है कि दोपहर की तेज गर्मी के समय भी लोग कंपकंपाते रहे। अलसुबह और शाम को सूरज ढलने के बाद में तो लोग घरों में दुबके रहने को ही मजबूर हो गए। बुधवार को शुरू हुई ठंडी हवाएं गुरुवार को भी सितम बरपातीं रहीं। दो दिन पहले तक लोगों ने गर्म कपड़े पहनने छोड़ दिए थे लेकिन बुधवार से फिर से लोग गर्म कपड़ों में नजर आने लगे।

प्रदेश में तीन तरह के मौसम फरवरी की शुरुआत के पहले छह दिनों में प्रदेश में तीन तरह के मौसम देखने को मिले हैं। सुबह



और रात के समय हल्की ठंड का एहसास हो रहा है, दिन में गर्मी का प्रभाव बढ़ रहा है, वहीं उत्तरी हिस्सों में हल्की बारिश भी हुई है। बीते तीन दिनों में ग्वालियर, चंबल और उज्जैन संभाग के कुछ जिलों में आंधी और बूंदबांदी भी देखने को मिली, जबकि अन्य जिलों में मौसम पूरी तरह साफ रहा। इसका सीधा असर यह रहा कि प्रदेश में दिन के समय गर्मी का प्रभाव बढ़ गया। बुधवार को भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, उज्जैन, जबलपुर समेत कई शहरों में दिन के तापमान में 5 डिग्री तक की गिरावट दर्ज की गई।

और गिरेगा तापमान मौसम विभाग के अनुसार, अगले कुछ दिनों में तापमान में और गिरावट हो सकती है। दिन और रात दोनों ही समय तापमान में 2 से 3 डिग्री तक की कमी दर्ज की जा सकती है, जिससे प्रदेश के कुछ शहरों में रात का तापमान फिर से 10 डिग्री सेल्सियस के नीचे पहुंच सकता है। हालांकि, फिलहाल तापमान इससे अधिक बना हुआ है। **कल से नया विश्कोभ सक्रिय होने की संभावना** आने वाले दिनों में मौसम में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। 8 फरवरी को पश्चिमी विश्कोभ

(वेस्टर्न डिस्टर्बेंस) सक्रिय होने की संभावना जताई गई है, जिससे प्रदेश के कई इलाकों में मौसम में बदलाव होगा। सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. वेदप्रकाश सिंह के अनुसार, 12, 13 और 14 फरवरी को प्रदेश के कई हिस्सों में बारिश हो सकती है। दस से अधिक जिलों में बारिश का अलर्ट है। 20 फरवरी के बाद ठंड का असर और कम हो जाएगा, जिससे दिन और रात दोनों ही समय के तापमान में वृद्धि दर्ज की जाएगी। वर्तमान में भी एक पश्चिमी विश्कोभ सक्रिय है, जिसका हल्का असर देखा जा सकता है। **आज अच्छी धूप रहेगी** मौसम पूर्वानुमान के अनुसार, अगले दो दिनों में भी ऐसा ही मौसम बना रहेगा। 7 फरवरी को दिन में तेज धूप पंखली रहेगी, लेकिन सुबह और रात के समय हल्की ठंड महसूस होगी। 8 फरवरी को भी ऐसा ही मौसम बना रहेगा, हालांकि इसके बाद पश्चिमी विश्कोभ के सक्रिय होने से तापमान में गिरावट और हल्की बारिश की संभावना बढ़ सकती है।

सिंहस्थ तक बनकर तैयार हो जाएगा इंदौर का नया रेलवे स्टेशन

इंदौर। इंदौर के मुख्य रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास का काम जल्दी ही शुरू होने वाला है। सिंहस्थ 2028 तक नया स्टेशन शुरू होगा। निर्माण अवधि में मुख्य रेलवे स्टेशन से चलने वाली कुछ रेल गाड़ियां लक्ष्मीबाई नगर रेलवे स्टेशन से संचालित होंगी। मार्च तक अहमदाबाद की कंपनी काम शुरू कर देगी। इस प्रोजेक्ट पर 450 करोड़ रुपये खर्च होंगे। हाल ही में जारी हुए रेल बजट में भी इसके लिए राशि आवंटित हुई है। यह रेलवे स्टेशन आधुनिक सुविधा से लैस होगा और बिल्डिंग भी चार मंजिला होगी। यात्री सुविधा पर भी रेल विभाग का फोकस रहेगा। सांसद शंकर लालवानी ने बताया कि नया रेलवे स्टेशन अगले 50 सालों की जरूरतों को ध्यान में रखकर बनाया जाएगा। इसके लिए आसपास की जमीन भी ली जाएगी। निर्माण करने वाली कंपनी को वर्क आर्डर जारी किया जा चुका है। निर्माण अवधि के दौरान प्लेटफार्म का उपयोग भी होता रहे, इसे लेकर वर्कप्लान निर्माण एजेंसी से मांगा गया है। लक्ष्मीबाई नगर रोड स्टेशन से भी कुछ ट्रेनों का संचालन किया जाएगा। नए रेलवे स्टेशन का विस्तार पार्क रोड तक होगा। **ये सुविधाएं मिलेंगी नए रेलवे**



स्टेशन में नए स्टेशन की बिल्डिंग एयरपोर्ट की तर्ज पर बनेगी। भीतर शॉप, फूडजोन रहेंगे। यात्रियों के लिए आरामदायक फुट ओवर ब्रिज, एस्केलेटर, टिकट काउंटर, शेड बनेंगे। वेंटिंग रूम पहले की तुलना में बड़े व आधुनिक होंगे। यात्रियों के रूकने के लिए रूम, रूफ प्लाजा, प्लेटफॉर्म कवर क्षेत्र बनेंगे। रीगल पर बनने वाले मेट्रो स्टेशन को भी रेलवे स्टेशन से जोड़ने की प्लानिंग के लिए अफसरों को कहा गया है। इसके अलावा मल्टीलेवल पार्किंग भी रहेगी, ताकि ज्यादा समय तक पार्क रहने वाली गाड़ियां व्यवस्थित

रखी जा सकें। **प्लेटफॉर्म एक सीध में बनेंगे** पार्क रोड को भी नए स्टेशन से जोड़ा जाएगा। इंदौर रेलवे स्टेशन पर नए प्लेटफॉर्म भी एक सीध में बनेंगे। अभी प्लेटफार्म पर गैप रहने के कारण हादसे होने का अंदेश बना रहता है। नए रेलवे स्टेशन के लिए पार्किंग व पार्सल विभाग का हिस्सा भी यात्री सुविधा के लिए लिया जा सकता है। पार्सल विभाग को दूसरी जगह शिफ्ट किया जाएगा। नए स्टेशन के निर्माण का भूमिपूजन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले साल किया था।

डीजे वाले बाबू नहीं बजा पाएंगे गाना, कलेक्टर का आदेश, लग गया बैन

इंदौर। बोर्ड परीक्षाओं के ठीक पहले इंदौर जिला प्रशासन ने शहर में बढ़ते ध्वनि प्रदूषण के कारण डीजे और लाउड स्पीकर को बजाने से पहले अनुमति लेने के आदेश जारी किए हैं। जिन शतों के साथ अनुमति मिलेगी, उसी हिसाब से मध्य आवाज में डीजे बजाना होगा। साथ ही किसी भी आयोजन में डीजे रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक डीजे बजाना प्रतिबंधित रहेगा। दरअसल, इन दिनों न केवल शादी समारोह बल्कि जुलूस और धरने प्रदर्शन में भी डीजे जमकर बजाया जाता है। इसके कारण शहर में लगातार ध्वनि प्रदूषण बना रहता है। यही वजह है कि इंदौर जिला प्रशासन ने ध्वनि प्रदूषण अथवा छात्र-छात्राओं को परीक्षाओं के दौरान होने वाली परेशानी और आगामी बोर्ड परीक्षाओं के पूर्व इंदौर में डीजे और लाउड स्पीकर बजाने वालों पर सख्ती करते हुए ऐसे मामलों में धारा 163 के तहत कार्रवाई का फैसला किया है। जो आदेश जारी किया गया है, जुलूस या आयोजन में मीडियम साइज के अधिकतम दो डीजे बॉक्स या



लाउड स्पीकर की अनुमति ही मिल सकेगी। इंदौर कलेक्टर आशीष सिंह के मुताबिक बोर्ड परीक्षाओं के दौरान यदि किसी ने भी माध्यम साइज दो से अधिक डीजे का उपयोग किया तो उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई होगी। **डीजे किराए पर देने वालों पर भी सख्ती** शहर में न केवल जन सामान्य बल्कि डीजे और लाउड स्पीकर को किराए पर देने वालों के खिलाफ भी सख्ती बरतने के निर्देश दिए गए हैं। उन्हें भी जिला प्रशासन द्वारा जारी आदेश से

अवगत कराया गया है। इसके अलावा डीजे बजाने की अनुमति सक्षम प्राधिकारी की अनुमति मिलेगी। वहीं बिना अनुमति के डीजे बजाने वालों के खिलाफ भी कार्रवाई होगी। इसके अलावा मध्यम आकार के दो डीजे सिस्टम के अलावा अन्य डीजे भी किराए पर नहीं दिए जा सकेंगे। यदि किसी को ज्यादा डीजे किराए पर देने संबंधी मामला पाया गया तो किराए पर देने वाले वेंडर के खिलाफ भी कठोर कार्रवाई होगी।

प्रेम त्रिकोण में युवक की हत्या, प्रेमिका के कहने पर दूसरे प्रेमी ने मार डाला

इंदौर। इंदौर में प्रेम त्रिकोण में एक युवक को अपनी जान गंवाना पड़ी। युवक शादीशुदा महिला से प्रेम करता था, लेकिन प्रेमिका ने बातचीत बंद कर दी थी। जब युवक ज्यादा दबाव बनाने लगा तो महिला ने अपने एक दूसरे प्रेमी से कहकर हत्या करवा दी। घटना द्वारकापुरी क्षेत्र की है। यहां एक मेरैज गार्डन के समीप एरोड्रम क्षेत्र निवासी नीलेश अट्ट गंभीर रूप से घायल अवस्था में मिला था। उसके शरीर पर गहरे घाव थे। लहलुहान हालत में देख कुछ लोगों ने उसे अस्पताल में भर्ती कराया था, लेकिन उपचार के दौरान देर रात उसकी मौत हो गई। पुलिस ने जांच की तो पता चला कि नीलेश का द्वारकापुरी क्षेत्र की एक महिला के साथ प्रेम संबंध था। नीलेश से महिला संबंध नहीं रखना चाहती थी और उसने बात बंद कर दी थी, लेकिन नीलेश उसे बार-बार फोन लगाता था। इससे परेशान महिला ने अपने एक अन्य प्रेमी पवन को नीलेश को सबक सिखाने के लिए कहा था। पवन ने नीलेश को प्रजापत नगर के समीप बुलाया। पवन अपने दो साथियों के साथ वहां उसका इंतजार कर रहा था। तीनों ने नीलेश के साथ मारपीट की। जब वह मरणासन्न अवस्था में पहुंच गया तो पवन ने उसकी बहन को कॉल लगाकर पवन को ले जाने के लिए भी कहा था। जिस महिला के कहने पर पवन की हत्या हुई। वह खरगोन



जिले के गोगांवा में रहती है। उसकी शादी हो चुकी है, लेकिन वह पति से अलग रहती है। सालभर पहले नीलेश उसके संपर्क में आया था। महिला से पवन भी संपर्क में था और उसने नीलेश को महिला से दूर रहने की धमकी दी थी। नीलेश की पत्नी की कोरोना से मौत हो चुकी है। **गांव की है परिचित महिला** जिस महिला हिना के चलते हत्या हुई वो नीलेश के गांव गोगावां खरगोन की रहने वाली है। अपने पति को छोड़ चुकी है। दीपावली के बाद नीलेश उसके सम्पर्क में आया। इसके बाद दोनों की नजदीकियां बढ़ी। हिना शादी में खाना बनाने का काम करती है। कुंदन नगर का पवन भी उसके संपर्क में था। उसने नीलेश

को हिना से ना मिलने को लेकर धमकी भी दी थी। **नीलेश की पत्नी की हो चुकी है मौत** द्वारकापुरी थाने के एएसआई रामगोपाल वर्मा ने बताया कि नीलेश की पत्नी सोनू की कोरोना काल में मौत हो चुकी है। उसका एक 5 साल का बेटा है। पिता भागीरथ अट्टदे की भी काफी साल पहले मौत हो चुकी है। नीलेश अपनी मां का इकलौता बेटा था। वह मकान निर्माण का काम करता था। डीसीपी ऋषिकेश मीणा के मुताबिक मामले में युवक के साथ मारपीट की बात सामने आई है। अभी मर्ग कायम कर शार्ट पीएम रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं। शाम तक जानकारी लगने के बाद मामले का खुलासा करेंगे।

इंदौर। इंदौर के बाणगंगा इलाके में एसआई तारेश्वर इक्का की पिटाई करने वाले 2 बदमाशों का पुलिस ने जुलूस निकाला। मंगलवार सुबह करीब 5 बजे बदमाशों ने एसआई का वायरलेस सेट और बैज भी छीन लिया था। गुरुवार को जब दो बदमाशों का जुलूस निकाला गया तो सिर-पैर और हाथ में बंधी पट्टियों के साथ लंगड़ाते हुए नजर आए। एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया के अनुसार लवकुश चौराहे पर ड्यूटी कर रहे एसआई तारेश्वर इक्का के साथ थार में सवार 4 युवकों ने मारपीट की थी। इस मामले में पुलिस ने आरोपी रवि पुत्र प्रेम सिंह राठौड़, निवासी शिवकंठ नगर और विकास पुत्र रमेश दबी, निवासी शिव कंठ नगर को गिरफ्तार किया था। आरोपी विकास जोबट, आलीराजपुर उप जेल में जेल प्रहरी के रूप में पदस्थ है। दोनों आरोपियों को 7 फरवरी तक रिमांड पर लिया गया है। इस मामले में दो अन्य आरोपियों अरविंद और विकास की भी तलाश की जा रही है।पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों का अरबिंदो अस्पताल के पास पैदल जुलूस निकाला। इस दौरान वे हाथ-पैर बंधे नजर आए। लोग काफी देर तक उन्हें देखते रहे और बदमाश पुलिस से माफी भी मांगते हुए दिखाई दिए। **एसआई का माफी मांगते हुए**

लिव-इन पार्टनर ने एक्टिवा में लगाई आग, हत्या के इरादे से पहुंचा था

इंदौर। इंदौर के द्वारकापुरी में एक महिला ने लिव-इन पार्टनर ने आग लगा दी। जानकारी के अनुसार, आरोपी रात के समय महिला की हत्या करने के इरादे से वहां पहुंचा था, लेकिन आसपास के लोगों के इकट्ठा होने पर उसने एक्टिवा में आग लगा दी और फरार हो गया। पुलिस ने रात में ही केस दर्ज कर लिया। द्वारकापुरी पुलिस ने रानी नाम की महिला को शिकायत पर रोहित मराठा के खिलाफ कार्रवाई की है। रानी ने बताया कि, उसकी पहली शादी को लगभग 15 साल हो गए थे, लेकिन 7 साल पहले वह अपने पति से अलग हो गई। इसके बाद करीब 4 साल पहले उसकी मुलाकात रोहित से हुई और दोनों लिव-इन रिलेशनशिप में रहने लगे। तीन-चार माह पहले रोहित ने शराब के नशे में रानी के साथ मारपीट की और जब बच्चों ने बचाव किया तो उन्हें भी पीट दिया। इसके बाद रानी अपनी मां



के पास गणेश मंदिर की गली में रहने लगी। बुधवार रात को रोहित मराठा यहां पहुंचा और घर में घुसकर रानी की मां को अपशब्द कहे, साथ ही मारपीट की। फिर हाथ में चाकू उठाकर रानी और बच्चों को मारने की धमकी दी। महिला से जबरदस्ती साथ चलने की जिद करने लगा। बच्चों के रोने की आवाज सुनकर आसपास के लोग इकट्ठा हो गए। तब रोहित

मदद भी मांगी, लेकिन उन्हें मदद नहीं मिली थी। वहीं, घटना के दौरान सड़क से गुजर रहे लोग भी उनके बचाव के लिए नहीं रुके। **पटवारी बोले- बेखौफ गुंडे मारपीट का वीडियो भी बनाने लगे** पुलिस सब इंस्पेक्टर के साथ हुई मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर आने के बाद राजनीति गरमा गई है। कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष जीतू पटवारी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर इस घटना का जिक्र करते हुए मोहन सरकार को निशाने पर लिया है। पटवारी ने कहा कि मध्य प्रदेश की कानून व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है। जिस इंदौर के प्रभारी था। एसआई तारेश्वर इक्का ने विकास और उसके साथियों से मारपीट और झुमाझटकी के दौरान काफी देर तक वायरलेस सेट पर

वायरल भी कर रहे है। जब इंदौर जैसे शहर में पुलिस अफसरों के ये हाल है तो फिर आम जनता कितनी सुरक्षित होगी। क्या यही डबल इंजन सरकार की कानून व्यवस्था का मॉडल है। पटवारी ने आगे यह भी कहा कि भोपाल से इंदौर के बीच चलने वाली वंदे भारत ट्रेन का किराया 910 रुपये है, कभी समय निकाल जाइये। कानून व्यवस्था भले ही ठीक न हो, वीडियो जरूर अच्छा बन जाएगा। आपको बता दे कि इंदौर के बाणगंगा थाना क्षेत्र के सब इंस्पेक्टर ने तीन युवकों को शराब पीने से रोका था। तो युवकों ने सब इंस्पेक्टर को चांटे मारे। उनका वायरलैस सेट छिना और इस दौरान नकली पुलिसकर्मों बताते हुए सब इंस्पेक्टर का वीडियो भी वायरल कर दिया।

एसआई के बेटे ने युवक को चाकू मारा, बाइक की किशत को लेकर हुआ विवाद

इंदौर। इंदौर के हीरानगर में चाकूबाजी का एक मामला सामने आया है। एसआई के बेटे ने खुलेआम एक युवक को चाकू मारा। इसके बाद अपने साथी के साथ बाइक से फरार हो गया। घटना की जानकारी के बाद पुलिस जांच जुट गई है। हीरानगर पुलिस के मुताबिक घटना नक्षत्र गार्डन के पास की है। यहां पर आदर्श पुत्र ललित सोनी निवासी कल्पना नगर पर सुनील मेड़ा और उसके साथी ने चाकू से हमला कर दिया। बताया जाता है कि आदर्श आरोपियों से बाइक की किशत नहीं भरने को लेकर पहले बात करने पहुंचा। यहां पर उनकी कहासुनी हुई थी। इसे लेकर हमला किया गया है। आदर्श निजी बैंक से जुड़ा है बताया जा रहा है। घटना के बाद आदर्श को उपचार के लिए निजी अस्पताल में ले जाया गया है। आरोपी सुनील के पिता घनश्याम मेड़ा इंदौर पुलिस में एसआई है। वह अभी लाईन में पदस्थ है। पुलिस के मुताबिक अभी सुनिल और उसके साथी की तलाश की जा रही है। वह नश्रा करने का आदि है। आदर्श निजी बैंक में काम करता है। परिचित ने बताया कि वह निजी बैंक में काम करता है। आरोपियों से बाइक की किशत नहीं भरने को लेकर उसका विवाद हुआ था।

भोपाल में बनेगा आचार्यश्री विद्यासागर स्मारक और शोध संस्थान, सीएम ने की घोषणा

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जैन मुनि विद्यासागर महाराज की पहली समाधि स्मृति दिवस पर विधानसभा परिसर में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आचार्यश्री पर आधारित 25 किताबों का विमान भी किया। वहीं, मुनि प्रमाणसागर जी के पाद पश्चालन कर आशीर्वाद लिया। इस अवसर मुख्यमंत्री ने घोषणा की भोपाल में जैन संत आचार्यश्री विद्यासागर जी की स्मृति में एक स्मारक स्थल का निर्माण किया जाएगा। अपने संबोधन में सीएम डॉ. यादव ने आचार्य श्री का पुण्य स्मरण करते कहा कि इसी विधानसभा में

उनके अलौकिक स्वरूप के दर्शन किये तो ऐसा लगा था कि साक्षात देवता हमारे बीच पधारे थे। ये कहना गलत होगा कि आचार्यश्री हमारे बीच नहीं हैं वे हमारे ही बीच हैं बस उन्हें स्मरण करने की देर है। आचार्यश्री ने सच्चे अर्थों में मानव सेवा के साथ प्रकृति सेवा की। उनके सामने तप, संयम, त्याग, सेवा ये शब्द छोटे पड़ जाते हैं। आचार्यश्री भले ही कर्नाटक में जन्मे लेकिन आज हर कोई उन्हें अपना मानता है। **आचार्यश्री ने गौसंरक्षण के लिए चलाया था अभियान** सीएम डॉ. यादव ने कहा कि आचार्यश्री ने



गौपालन, गौसंरक्षण और गौसंवर्धन पर भी जोर दिया। उन्होंने गौमांस निर्यात का विरोध करने कई वर्षों पर पहले अभियान शुरू कर दिया था। आज जैन

समाज की ओर से पूरे देश में कई गौशालाएं संचालित की जा रही है। क्योंकि गोमाता के माध्यम से पूरी प्रकृति बदल सकती है। गोमाता के भीतर वह भाव है जो अपने बच्चों का ख्याल रखती है और मनुष्य के बच्चों का भी ख्याल रखती है। **भोपाल में बनेगा स्मारक स्थल** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपने संबोधन के अंत में एक बड़ी घोषणा की। उन्होंने कहा कि आचार्यश्री की स्मृति में भोपाल में भी एक स्मारक स्थल बनाया जाएगा जहां उनसे जुड़ी स्मृतियां संजोई जाएंगी। स्थान चयन बाद में किया जाएगा। सीएम डॉ. यादव की इस घोषणा

का जैन समाज के हजारों लोगों ने काफी देर तक तालियां बजाकर जोरदार स्वागत किया। **मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मुनिश्री के किये पादप्रक्षालन** मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कार्यक्रम का शुरुआत भी किया गया। इस कार्यक्रम में भोपाल सांसद आलोक शर्मा, विधायक भगवानदास सबनानी, भोपाल दिगंबर जैन समाज के अध्यक्ष मनोज जैन बांगा समेत कई जनप्रतिनिधि और पदाधिकारी मौजूद रहे।

तीन पुलिसकर्मियों ने फर्जी मेडिकल बिल से हड़पे 76 लाख रुपए

भोपाल। पुलिस मुख्यालय में तैनात तीन पुलिसकर्मियों पर 76 लाख रुपए के फर्जी मेडिकल बिल भुगतान का आरोप लगा है। ये तीनों में एक सुबेदार, एक सब-इंस्पेक्टर और एक असिस्टेंट सब-इंस्पेक्टर है। सभी लेखा शाखा में काम करते थे। इन्होंने वित्तीय वर्ष 2022, 2023 और 2024 में खुद को और अपने परिवार के सदस्यों को बीमार बताकर यह धोखाधड़ी की। संचालक ट्रेजरी की ओर से भेजे गए एक पत्र के बाद इस घोटाले का खुलासा हुआ, जिसमें इनके खातों में असामान्य रूप से उच्च भुगतान की ओर इशारा किया गया था। पुलिस ने तीनों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जांच जारी है। यह मामला तब सामने आया जब संचालक ट्रेजरी ने पुलिस मुख्यालय को एक पत्र भेजा। इस पत्र में बताया गया कि तीन पुलिसकर्मियों के खातों में मेडिकल बिल के मद में काफी ज्यादा रकम ट्रांसफर हुई है। इसके बाद पुलिस मुख्यालय की लेखा शाखा ने आंतरिक जांच शुरू की। जांच के दौरान पाया गया कि सुबेदार नीरज कुमार, सब-इंस्पेक्टर हरिहर सोनी और असिस्टेंट सब-इंस्पेक्टर हर्ष वानखेड़े ने फर्जी मेडिकल बिल बनाकर सरकारी खजाने को चूना लगाया है। तीनों आरोपियों ने खुद को और अपने परिवार के सदस्यों को अलग-अलग बीमारियां बताकर मेडिकल बिल जमा किए थे। यह बिल असामान्य रूप से ज्यादा थे, जिससे शक पैदा हुआ। जांच में पता चला कि इन्होंने ह्यूप्रो-लॉन्ग सर्टिफिकेट्स का भी गलत इस्तेमाल किया। यह सर्टिफिकेट



गंभीर बीमारियों के लिए सिविल सर्जन द्वारा जारी किया जाता है। लेकिन जांच दल ने जब सिविल सर्जन से पुष्टि की, तो पता चला कि उन्होंने इन तीनों को केवल दो ही सर्टिफिकेट जारी किए थे। इससे यह संदेह और गहरा हो गया कि बाकी सभी सर्टिफिकेट फर्जी हैं। **गोपनीय जांच शुरू की गई थी** एडीजी अनिल कुमार के मुताबिक संचालक ट्रेजरी से पत्र मिलने के बाद गोपनीय जांच शुरू की गई थी। जांच शुरू होने से पहले ही तीनों आरोपियों को लेखा शाखा से हटा दिया गया था। जांच में आरोप सही पाए जाने पर 8 जनवरी को तीनों को निर्लंबित कर दिया गया। तीनों के खिलाफ जहांगीराबाद थाने में भारतीय दंड संहिता की धारा 318, 319, 336, 338 और 340 के तहत मामला दर्ज किया गया है। इन धाराओं में 14 साल तक की सजा का प्रावधान है।

अलग-अलग रकम का गबन जांच में यह भी पता चला है कि तीनों आरोपियों ने अलग-अलग रकम का गबन किया है। हर्ष वानखेड़े के खाते में लगभग 35 लाख रुपए, हरिहर सोनी के खाते में लगभग 24 लाख रुपए और नीरज कुमार के खाते में लगभग 17 लाख रुपए का भुगतान हुआ है। यह कुल मिलाकर लगभग 76 लाख रुपए होता है। पुलिस ने तीनों आरोपियों को पूछताछ के लिए थाने बुलाया है। एसीपी जहांगीराबाद सुरभि मीणा के मुताबिक लेखा शाखा की रिपोर्ट के आधार पर तीनों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस आगे की जांच कर रही है और यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि क्या इस घोटाले में और लोग भी शामिल हैं। इस मामले में सिविल सर्जन से भी पूछताछ की जा सकती है।

बागेश्वर धाम आ सकते हैं पीएम मोदी धीरेंद्र शास्त्री ने दिया निमंत्रण

भोपाल। राजधानी भोपाल में 24 और 25 फरवरी को ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट (जीआईएस) का पहली बार आयोजन हो रहा है। जीआईएस का शुभारंभ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी छतरपुर के बागेश्वर धाम आ सकते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बागेश्वर धाम में कैंसर अस्पताल की आधारशिला रख सकते हैं। बागेश्वर धाम सरकार के नाम से मशहूर कथावाचक धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने पीएम मोदी को निमंत्रण भेजा है। इसकी जानकारी धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की ही तरफ से दी गई है। हालांकि, अभी पीएमओ की तरफ से बागेश्वर धाम जाने को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। दरअसल,



धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री बागेश्वर धाम में कैंसर अस्पताल का निर्माण करा रहे हैं। पहले चरण में 100 बिस्तर का सभी सुविधाओं वाला अस्पताल बनकर तैयार होगा। इसके बाद इसका विस्तार किया जाएगा। अस्पताल के शिलान्यास का कार्यक्रम 23 फरवरी को होने जा रहा है। इसमें कई बड़ी हस्तियां शामिल होंगी। ऐसा माना जा रहा है कि यदि

प्रधानमंत्री बागेश्वर धाम जाते हैं तो वह अस्पताल के शिलान्यास कार्यक्रम के बाद भोपाल आएंगे। जहां, राजभवन में रात्रि विश्राम करेंगे। इसके अगले दिन 24 फरवरी को सुबह 10 बजे जीआईएस का शुभारंभ करेंगे। राष्ट्रीय मानव संग्रहालय में आयोजित हो रही जीआईएस में 30 देशों के राजदूत और काउंसलर ने आने की सहमति दी है। इसमें कई देशों के निवेश और उद्योगपति भी शामिल होंगे। साथ ही केंद्र सरकार में मंत्री अविश्वनी वैष्णव, पीयूष गोयल, नितिन गडकरी, जीकिशन रेड्डी को भी निमंत्रण भेजा गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से कई मंत्री और उद्योगपति मुलाकात कर सकते हैं। इसके बाद प्रधानमंत्री 12 बजे भोपाल से रवाना हो जाएंगे।

सफाई का भोपाल मॉडल अपनाएंगे युगांडा-कजाकिस्तान समेत आधा दर्जन देश

भोपाल। राजधानी भोपाल के बाशिंदे सैयद इम्तियाज अली लंबे समय से कचरा और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन पर मेहनत कर रहे हैं। उनके तैयार किए गए मॉडल को देश के कई हिस्सों में सराहा गया और इसको स्वीकारा गया है। भोपाल से निकले इस पर्यावरण सहेजने के मॉडल को अब दुनिया के कई देश अपनाने को आतुर हैं। जल्दी ही इन देशों के प्रतिनिधि भोपाल आकर इस प्रोजेक्ट का भौतिक अवलोकन करेंगे। इसके बाद सैयद इम्तियाज अपने अनुभव और आविष्कार से रूबरू कराने के लिए इन देशों की यात्रा करेंगे। पैकेजिंग इंडस्ट्री से उत्सर्जित होने वाले अपशिष्ट के सतत अपशिष्ट प्रबंधन पर भारतीय पैकेजिंग संस्थान उद्योग का आयोजन दिल्ली में आयोजित किया गया। भारत सरकार मंत्रालय द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में युगांडा, इथोपिया, श्रीलंका तंजानिया, तजाकिस्तान, दक्षिण अफ्रीका, बांग्लादेश, चिली, मैक्सिको सहित 13

देशों के विषय विशेषज्ञों ने भाग लिया। **तकनीकी प्रस्तुतिकरण दिया गया** कार्यक्रम के दौरान भारत में विभिन्न नियम, जो कचरा प्रबंधन को लेकर बने हैं, उनकी जानकारी और ग्रास रूट पर किस प्रकार से पैकेजिंग इंडस्ट्री से निकलने वाले कचरे का प्रबंधन और उसका वैज्ञानिक निष्पादन हो रहा है, को लेकर तकनीकी प्रस्तुतिकरण दिया गया। सैयद इम्तियाज ने अपने प्रस्तुतीकरण में बताया कि कचरे से किस प्रकार से 8 करोड़ लोगों को भारत देश में रोजगार देने की तैयारी है। इम्तियाज अली ने बताया कि 19 प्रकार के कचरे को किस प्रकार पृथक्करण पुनः चरण कर उसका उपयोग रोज निर्माण विभिन्न उत्पाद बनाने में ऊर्जा बनाने में किया जा रहा है। **देश के 5000 शहरों में लागू किया जाएगा** भारत देश में असंगठित वर्ग कचरा बीनने वालों की कोऑपरेटिव सोसाइटी बनाकर उनके माध्यम से इस



परियोजना को देश के समस्त 5000 शहरों में 2027 तक लागू किया जाएगा। जिससे इस क्षेत्र में कार्य लोगों के रोजगार में विकास होगा और वह संगठित होकर

सरकार के साथ कार्य कर पाएंगे। युगांडा, कजाकिस्तान एवं अन्य देशों के लोगों ने इस भोपाल मॉडल को अपने देश में लागू करने के लिए सहमति दी है। शीघ्र ही हो

इन कार्यों के प्रस्तुतीकरण हेतु इम्तियाज अली को अपने देश में आमंत्रित करेंगे। इस हेतु शीघ्र ही भारत सरकार से उपरोक्त देश के राजदूत संपर्क करेंगे।

शिक्षक भर्ती में नए नियमों से अतिथि शिक्षकों पर संकट, अनुभव प्रमाण अनिवार्य

भोपाल। मध्यप्रदेश में शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया जारी है। शिक्षकों इस भर्ती में लागू किए गए नए नियमों के कारण अनेक अतिथि शिक्षकों को आवेदन करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। विशेष रूप से, अनुभव प्रमाण पत्र अपलोड करने की अनिवार्यता ने सैकड़ों शिक्षकों के भविष्य को संकट में डाल दिया है। अतिथि शिक्षक नए नियमों में संशोधन करने की मांग कर रहे हैं। वर्तमान भर्ती प्रक्रिया के तहत अतिथि शिक्षकों के लिए तीन सत्र (200 दिवस प्रति सत्र) का अनुभव अनिवार्य किया गया है। लेकिन कई शिक्षकों का तीसरा सत्र अप्रैल 2025 में पूरा होगा, जिससे वे इस भर्ती प्रक्रिया में शामिल नहीं हो पा रहे हैं। अतिथि शिक्षकों का कहना है कि इस बार भर्ती प्रक्रिया में लागू किए गए नियम पिछली भर्तियों में



नहीं थे। इससे वे आवेदन करने से वंचित हो रहे हैं, जबकि वे पहले से ही ऑनलाइन कार्डसलिंग प्रक्रिया के माध्यम से चयनित हो चुके थे। उनका आरोप है कि भाई-भतीजावाद के चलते उन्हें पहले ही अवसरों से वंचित किया गया था और अब नए नियम उनकी पात्रता पर भी प्रश्नचिह्न खड़ा कर रहे हैं। शिक्षकों ने सरकार से अपील की है कि भर्ती प्रक्रिया में अनुभव प्रमाण पत्र अपलोड करने की अनिवार्यता

को समाप्त किया जाए और केवल अतिथि शिक्षक विकल्प को चयनित करने की अनुमति दी जाए। इससे सभी पात्र शिक्षकों को सामान अवसर मिल सकेगा और उनका भविष्य सुरक्षित रहेगा। अतिथि शिक्षकों ने इस मुद्दे को लेकर शिक्षा मंत्री से हस्तक्षेप करने की मांग की है और उम्मीद जताई है कि सरकार उनकी समस्या को गंभीरता से लेते हुए शीघ्र समाधान निकालेगी।

संपादकीय

अगले पांच साल में रोजगार के क्षेत्र में सकारात्मक परिवर्तन देखेंगे

साल 2025-26 के केन्द्रीय बजट में 8 ऐसे सेक्टरों को चिन्हित किया गया है, जहां सरकार को उम्मीद है कि आने वाले 5 सालों में 3 करोड़ नए रोजगार के अवसर सृजित होंगे। यह भी कि 50 लाख रोजगार अकेले एमएसएमई तथा स्टार्टअप के क्षेत्र व 50 लाख से ज्यादा टूरिज्म और हॉस्पिटैलिटी के क्षेत्र से पैदा की उम्मीद की गई है। चमड़ा/फुटवियर उद्योग से 22 लाख, स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार से 1 लाख, गिग इकोनॉमी क्षेत्र से अगले 5 सालों में एक करोड़, ग्रामीण कौशल विकास के क्षेत्र से 50 लाख, शहरी कारोबार और पीएम स्वनिधि योजना से करीब 10 लाख और खिलौना उद्योग से 22 लाख रोजगार अगले 5 सालों में पैदा होंगे।

साल 2025-26 के केंद्रीय बजट में 8 ऐसे सेक्टरों को चिन्हित किया गया है, जहां सरकार को उम्मीद है कि आने वाले 5 सालों में 3 करोड़ नए रोजगार के अवसर सृजित होंगे। यह भी कि 50 लाख रोजगार अकेले ओएसएसई तथा स्टार्टअप के क्षेत्र व 50 लाख से ज्यादा टूरिज्म और होमिस्टेयल्टी के क्षेत्र से पैदा की उम्मीद की गई है। चमड़ा/फुटवियर उद्योग से 22 लाख, स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार से 1 लाख, गिरा इकोनॉमी क्षेत्र से अगले 5 सालों में एक करोड़, ग्रामीण कौशल विकास के क्षेत्र से 50 लाख, शहरी कारोबार और पीएम स्वनिधि योजना से करीब 10 लाख और खिलौना उद्योग से 22 लाख रोजगार अगले 5 सालों में पैदा होंगे, यह उम्मीद हालिया बजट से लगायी गई है। इंडियन स्टाफिंग फेडरेशन के मुताबिक यह उम्मीद हवा हवाई नहीं है, पैसा आगना तो इंडस्ट्री विस्तार करेगी और रोजगार पैदा होंगे।

जहाँ तक पैसा आने की बात है तो इस आम बजट में इश्वरॉस सेक्टर में पहली बार डायरेक्ट इन्वेस्टमेंट में 74 प्रतिशत से बढ़ाकर सीधे 100 फीसदी कर दिया गया है। इससे उम्मीद है कि इश्वरॉस के क्षेत्र में बड़े पैमाने पर सीधा विदेशी निवेश आएगा और बीमा क्षेत्र का जो व्यापक इन्फ्रास्ट्रक्चर तैयार होगा, उससे 10 लाख से ज्यादा रोजगार पैदा होंगे। खिलाताना, निर्माण, ईवी मैन्यूफैक्चरिंग, इकोसिस्टम, टूवल और टूरिज्म क्षेत्र को जिस तरह से मदद पहुँचाई गई है, उसके चलते अगले पांच साल में रोजगार के क्षेत्र में सकारात्मक परिवर्तन दिखेंगे।

एमएसएमई सेक्टर की श्रेणी बढ़ायी गई है, अब यह क्षेत्र पहले से कहीं ज्यादा पूंजी उठा सकेगा और इसका इस्तेमाल रोजगार विस्तार के लिए होगा। इसी तरह गिग वर्कर्स भी बड़े पैमाने पर इस साल रोजगार पा सकेंगे। मध्यवर्ग को आयकर में दी गई राहत से जो पैसे उसके हाथ में आएंगे, उनके जरिये उपभोग में बढ़ोतरी होगी जो गिग इकोनॉमी को मजबूत बनायेगा। गौरतलब है कि देश में इस समय करीब 1 करोड़ एमएसएमई यूनिट्स हैं, जिनमें 7.5 करोड़ से ज्यादा लोग नौकरी कर रहे हैं। अब चूँकि क्रेडिट गारंटी करव बढ़ने से अगले 5 साल तक में 1.5 से 2 लाख करोड़ रुपये तक इस क्षेत्र के लिए अतिरिक्त कर्ज उपलब्ध होगा, इसलिए मैनुफैक्चरिंग और एक्सपोर्ट दोनों को बढ़ावा मिलेगा। इस बजट में पहली बार होमटेरे और छोटे होटल व्यवसायियों के लिए भी मुद्रा लोन की व्यवस्था की गई है। इसे 50 लाख से ज्यादा रोजगार पैदा होने की उम्मीद है। वहीं साल 2033 तक पर्यटन के क्षेत्र में 5.42 करोड़ नौकरियां पैदा होने का अनुमान है, जिसकी शुरुआत इसी साल से हो जाएगी और इस तरह हालिया केंद्रीय बजट रोजगार पैदा करने में जोरदार भूमिका निभाएगा।

सरकार ने सबसे ज्यादा दांव चमड़ा/फुटवियर उद्योग में लगाया है। इससे जुड़ी केंद्रीय योजना की घोषणा की गई है। इस योजना के तहत चमड़ा प्रसंस्करण, डिजाइनिंग और निर्माण क्षेत्र में बड़े पैमाने पर नौकरियां पैदा होंगी। अनुमान है कि यह क्षेत्र इस साल 4 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश आकर्षित करेगा और 22 लाख से ज्यादा रोजगार के नये अवसर पैदा करेगा।

साल 2025-26 के आम बजट को ऐसे निमित्त किया गया है कि यह रोजगार पैदा करने को आधारभूत भूमिका बनाए। गिग वर्कर्स को प्रोत्साहित करने के लिए प्रधानमंत्री जनआरोग्य योजना के तहत स्वास्थ्य बीमा की घोषणा की गई है और इस घोषणा में एक करोड़ गिग वर्कर्स को औपचारिक पहचान मिलेगी व सामाजिक सुरक्षा मिलेगी। ओला, ऊबर, जोमैटो और स्विगी जैसे प्लेटफॉर्म पर इस साल रोजगार के अवसर पैदा होंगे। जिनके साल 2029-30 तक 2.35 करोड़ हो जाने की बात कही गई है यानी अगले 5 साल में इस क्षेत्र से 1.35 करोड़ रोजगार पैदा होंगे। वहीं सरकार खिलौना इंडस्ट्री को अगले 5 सालों में क्लस्टर स्किल और नैस्यूफैक्ट्रिंग का इको सिस्टम बनायेगी। इसमें कई लाख करोड़ रुपये निवेश करने की योजना है ताकि यह इंडस्ट्री हर साल लाखों रोजगार पैदा करे। साल 2025-26 के बजट को रोजगार बढ़ाने वाले डिजाइन के अनुरूप ढाला गया है।

एक प्रतीक के रूप में गुलाब की उत्पत्ति प्रेम, उदरता और जुनून की ग्रीक देवी एफ्रोडाइट के समय से होती है। पश्चिमी संस्कृति में, यह माना जाता है कि लाल गुलाब का निर्माण एफ्रोडाइट द्वारा किया गया था। किंवदंती है कि यह फूल एफ्रोडाइट के आंसुओं और उसके नश्वर प्रेमी एडोनिस के खून से सिंचित जमीन से उगा था। गुलाब का फूल उपहार में देने का रिवाज सदियों से चला आ रहा है, यह फूल पीढ़ियों से रोमांस का प्रतीक रहा है।

7 फरवरी यानी वैलेंटाइन वीक की शुरुआत। सबसे पहला दिन रोज डे होता है। यह दिन प्यार के त्योहार की शुरुआत का दिन है जिसमें हम प्रेमी गुलाब के फूल के साथ अपने दिल की बात कहना चाहता है। लेकिन, सोचने वाली बात यह है कि गुलाब के फूल को देकर ही प्यार की शुरुआत क्यों? रोज डे विशेष है क्योंकि यह वैलेंटाइन सप्ताह के बाकी दिनों के लिए मंच तैयार करता है। गुलाब देकर लोग बिना शब्दों के अपनी भावनाएं व्यक्त करते हैं जैसे कि रोमियो जूलिएट लव स्टोरी में था। प्रसिद्ध लेखक शेक्सपियर के नाटक, रोमियो और जूलियथ में लाल गुलाब प्रमुख रूपक हैं। नाटक में जूलियथ, रोमियो की तुलना गुलाब से करते हुए कह रही है कि भले ही गुलाब का नाम अलग हो, लेकिन उसकी महक एक ही रहेगी। वह इसे उनके क्लास के अंतर से जोड़ रही है जिससे कोई फर्क नहीं पड़ता क्योंकि वह रोमियो से वैसे ही प्यार करती है। इस प्रकार, जहाँ गुलाब रोमियो के मॉटेग जात का प्रतीक है जो उनके प्यार में बिल्कुल भी बाधा नहीं बनेगा। लाल गुलाब के साहित्यिक रूपक के माध्यम से, शेक्सपियर वर्ग और सामाजिक सीमाओं से परे प्रेम की अमरता को उकेर रहे हैं।

अकसर यह माना जाता है कि विक्टोरियन अपने स्नेह की निशानी के रूप में गुलाब देकर एक-दूसरे के प्रति अपना प्यार दिखाने वाले पहले व्यक्ति थे। तब से, 7 फरवरी को रोज़ डे के रूप में मान्यता दी गई है, जो गुलाब देने और प्राप्त करने का जश्न मनाने का दिन है।

एक प्रतीक के रूप में गुलाब की उत्पत्ति प्रेम, उर्वरता और जूनून की ग्रीक देवी एफ्रोडाइट के समय से होती है। पश्चिमी संस्कृति में, यह माना जाता है कि लाल गुलाब का निर्माण एफ्रोडाइट द्वारा किया गया था। किंवदंती है कि यह फूल एफ्रोडाइट के आंसुओं और उसके नश्वर प्रेमी एडोनिस के खून से सिंचित जमीन से उगा था। गुलाब



का फूल उपहार में देने का रिवाज सदियों से चला आ रहा है, यह फूल पीढ़ियों से रोमांस का प्रतीक रहा है। इस दिन संस्कृतियों का इतिहास प्राचीन संस्कृतियों से जुड़ा हुआ है, जहां माना जाता था कि गुलाब में जादुई और दैवीय शक्तियां होती हैं। इसके अलावा रोमन पौराणिक कथाओं में, गुलाब को प्रेम की देवी कथरा से जोड़ा जाता था और उन्होंने उसके लिए पवित्र माना जाता था। कई पूर्वी संस्कृतियों में, जैसे कि एशिया और अरब दुनिया में, गुलाब को प्यार के प्रतीक के रूप में सदियों से संजोया गया है। गुलाब के प्रत्येक रंग का अपना अर्थ होता है, जिससे व्यक्ति अपने प्रियजन के प्रति विभिन्न भावनाओं को व्यक्त कर सकता है। वेंलेंटाइन वीक 7 दिनों तक अलग-अलग दिन के रंग में मनाया जाता है। पहले दिन को रोज डे कहते हैं और इस दिन लोग एक दूसरे को गुलाब देकर अपने दिल की बात बताते हैं। लेकिन, दिल की बात बताने के लिए यह जरूरी नहीं है कि आप सिर्फ शब्दों का इस्तेमाल करें बल्कि आप फूल के रंग से भी अपने मन की बात जाहिर कर सकते हैं। गुलाबी गुलाब मासूम रोमांटिक प्रेम का प्रतिनिधित्व करते हैं और टीनएज रोमांस या रोमांटिक रिश्ते के शुरुआती चरणों के लिए एक अच्छा विकल्प हैं। पिंक रोज, एक सुंदर, नए-नए प्यार और भावना को शुद्धता का प्रतिनिधित्व करते हैं।

लाल गुलाब, प्यार का शाश्वत प्रतीक है और रोमांटिक रिश्तों में महत्व रखता है। ये गहरे प्रेम और इच्छा का प्रतीक हैं, जिनका संस्कृतिक इतिहास प्राचीन सभ्यताओं और शेक्सपियर के 'रोमियो एंड जुलियट' जैसी साहित्यिक कृतियों से जुड़ा है। दरअसल, रोमियो जुलियट को लाल गुलाब देकर अपने मन की बात बताता है।

सफेद गुलाब पवित्रता, यौवन और मासूमियत का प्रतीक है। युवा प्रेम, शाश्वत निष्ठा और नई शुरुआत भी अमतीपर सफेद गुलाब के अर्थ से जुड़ी होती है, जिससे ये शादियों और रोमांटिक अवसरों के लिए एक लोकप्रिय विकल्प बन जाते हैं।

गहरे गुलाब को सार्वभौमिक रूप से दोस्ती के प्रतीक के रूप में जाना जाता है, ज्यादातर लोग इसे अपने जन्मदिन पर या दो अच्छे दोस्तों के बीच प्यार का जन्म मानने के लिए एक-दूसरे को देते हैं। इस गुलाब का फलंडन होता है 'आई देयर फॉर अवर फ्रेंडशिप'। हमारे देश में वैलेंटाइन डे का कई संगठन विरोध करते हैं। विरोध इस बात पर हमेशा से रहता आया है कि वैलेंटाइन पर प्रेम प्रदर्शन हमारी संस्कृति का हिस्सा नहीं है बल्कि इससे भारतीय संस्कृति विकृत हो रही है। अगर हम हमारे प्राचीन ग्रंथों और नाटकों को पढ़ें तो लगता है कि प्यार और इच्छा प्रदर्शन हमारी संस्कृति में भी रहा है। प्राचीन भारत की परंपराएं प्यार और शादी के मामले में बहुत

आगे की रही हैं। कालीदास के एक नाटक में स्पष्ट उल्लेख है कि कैसे एक प्रेमिका वसंत के दौरान लाल रंग के फूल के जरिये प्रेमी के पास प्रणय निवेदन भेजती है। अथर्ववेद तो और आगे की बात करता है। वो कहता है कि प्राचीन काल में अधिभावक सहर्ष प्रेममति देते थे कि लड़की अपने अनुमात का चयन खुद करे। यूरोप में वैलेंटाइन डे 14 फरवरी को होता है। ठीक इसी दौरान हमारे देश में बसंत ऋतु आई हुई होती है, जिसे मधुमास या कामोदीपन ऋतु भी कहते हैं। इस मौसम में हमारे यहां हमेशा हवा में प्रणय और रोमांस के गुलाल घुलते रहे हैं। वसंत को सीधे सीधे प्रेम से जोड़ा जाता रहा है। माला जाता है कि कालीदास ईसापूर्व 150 वर्ष से 600 वर्षों के बीच हुए। कालिदास ने द्वितीय शुंग शासक अग्निमित्र को नायक बनाकर मालविकाग्निमित्र नाटक लिखा। अग्निमित्र ने 170 ईसापूर्व में शासन किया था। इस नाटक में उन्होंने उल्लेख किया कि किस तरह रानी इक्षवती वसंत के आने पर राजा अग्निमित्र के पास लाती फूल के जरिये प्रेम निवेदन भेजती है। कालिदास के दौर में वसंत के आगमन पर रोमांस की भावनाएं पंख लगाकर उड़ने लगती थीं। प्रेम प्रसंग में डूबे तमाम नाटकों के प्रदर्शन के लिए यह आदर्श समय था। इसी समय क्रिश्चियन अपने पतियों के साथ झूठा झुलती थीं। तन-तन

में बहार से पुलकित हो जाता था। शायद उसी वजह से इसे मनोरंजक और रका गया। इसी ऋतु में कामदेव और कहीं की पूजा का रिवाज है। हिंदू ग्रंथ धर्म में कहते हैं कि प्राचीन भारत में लड़कियों को खुद अपने पति को चुनने का अधिकार था। वे अपने हिसाब से एक दूसरे से मिलते थे। सहमति से साथ रहने पर भी राजी हो जाते थे। यानि अगर एक युवा जोड़ा एक दूसरे को पसंद करता था तो एक दूसरे से जुड़ जाता था। यहाँ तक कि उन्हें अपने विवाह के लिए अभिभावकों की रजामती की जरूरत थी नहीं होती थी। वैदिक किताबों के अनुसार ऋग्वैदिक काल में यह विवाह का सबसे शुरूआती और सामान्य तरीका होता था। लिवाइन् रिजेशनशिप जैसी परंपरा भी थी। अथर्ववेद का एक अंश कहता है, अभिभावक आमतौर पर लड़की को छूट देते थे कि वह अपने प्यार का चयन खुद करे। सीधे तौर पर वे उसे प्रेम संबंधों के लिए उत्साहित करते थे। जब माँ को लगता था कि बेटी युवा हो चुकी है और अपने लिए पति चुनने लायक हो चुकी है तो वो खुशी-खुशी उसे यह करने देती थी। इसमें कुछ भी अस्वाभाविक नहीं था। अगर कोई धार्मिक परंपरा के बगैर होने वाले गंधर्व विवाह को करता था तो उसे सबसे बेहतर विवाह माना जाता था। अगर लड़का और लड़की एक दूसरे पसंद कर लेते थे तो एक तय समय के लिए साथ रहते थे। फिर समाज उनकी

डॉलर की मार से लड़खड़ाता रुपया पहुँचा निचले स्तर पर गिरावट की वजहें और अर्थव्यवस्था पर इसका प्रभाव

भारतीय रुपया एक बार फिर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रिकार्ड निचले स्तर पर पहुंच गया है। विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 87.60 के पार चला गया, जो अब तक का सबसे कमजोर स्तर है। रुपये में आई इस गिरावट से आयात महंगा हो सकता है, महंगाई बढ़ सकती है और विदेशी निवेशकों का रुझान प्रभावित हो सकता है। वित्तीय विशेषज्ञों के अनुसार, रुपये की इस गिरावट के पीछे वैश्विक आर्थिक कारक, घरेलू मौद्रिक नीतियां और विदेशी निवेश प्रवाह में अस्थिरता मुख्य कारण हैं। रुपये में गिरावट की प्रमुख वजहें इस प्रकार हैं-

1. डॉलर इंडेक्स में मजबूती
अमेरिकी अर्थव्यवस्था के मजबूत
संकेतों और फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज
दरों में कटौती डालने के फैसले से
डॉलर मजबूत हुआ है। डॉलर इंडेक्स
लगभग 110 के पास है, जिससे अन्य
मुद्राओं की तुलना में डॉलर की मांग
बढ़ रही है और रुपया कमजोर हो रहा
है।

2. विदेशी निवेशकों की निकासी (FPI आउटफ्लो)
भारतीय शेयर बाजार से विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (FPI) ने बड़ी मात्रा में धन निकाला है। इससे डॉलर की मांग बढ़ी और रुपये पर दबाव पड़ा। बाजार विश्लेषकों के मुताबिक, वैश्विक अस्थिरता के कारण निवेशक सुरक्षित संपत्तियों (डॉलर, गोल्ड) में निवेश कर रहे हैं, जिससे उभरती अर्थव्यवस्थाओं की मुद्राएं प्रभावित हो रही हैं और रुपये पर दबाव बढ़ा है।
3. कच्चे तेल की कीमतों में उछाल
अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने से भारत के व्यापार संतुलन पर दबाव बढ़ा है। चूंकि भारत अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं के लिए



70ल से अधिक तेल आयात करता है, इस वजह से डॉलर की मांग बढ़ रही है और रुपया कमजोर हो रहा है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें बढ़ना भारत जैसे तेल आयातक देशों के लिए चिंता का विषय है। महंगा तेल भारत के व्यापार संतुलन को प्रभावित करता है और डॉलर की मांग

बढ़ाकर रुपये को कमजोर करता है।
4. वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव
रूस-यूक्रेन युद्ध, इजरायल-गाजा संघर्ष
और चीन-ताइवान विवाद जैसी भू-
राजनीतिक घटनाएँ वैश्विक बाजार को
अस्थिर कर रही हैं। इस कारण डॉलर
को 'सुरक्षित मुद्रा' माना जा रहा है,
जिससे निवेशक डॉलर में निवेश कर रहे

हैं और रुपये जैसी उभरती अर्थव्यवस्थाओं की मुद्राओं पर दबाव बढ़ रहा है। अमेरिका द्वारा कनाडा, मैक्सिको और चीन से आयातित वस्तुओं पर नए शुल्क लगाने से वैश्विक व्यापार तनाव बढ़ गया है, इससे भी रुपये और कमजोर हो सकता है।

5. भारत का व्यापार घाटा बढ़ना

भारत का आयात लगातार बढ़ रहा है, जबकि निर्यात धीमा हो गया है, जिससे व्यापार घाटा बढ़ रहा है। इससे डॉलर की मांग बढ़ती है और रुपया कमजोर होता है। विशेषज्ञों का कहना है कि अगर निर्यात को बढ़ावा नहीं मिला तो रुपये पर दबाव बना रहेगा। रुपये की कमजोरी का असर आम

आदमी की जेब पर भी पड़ सकता है। इससे महंगाई बढ़ेगी - आयातित वस्तुएँ (ईंधन, इलेक्ट्रॉनिक्स, दवाएँ) महंगी होगी। विदेश यात्रा महंगी होगी - महंगी महंगा होने से विदेश यात्राओं पर खर्च बढ़ेगा। छात्रों पर असर - विदेशों में पढ़ाई कर रहे भारतीय छात्रों के खर्च में बढ़ोतरी होगी। स्टॉक मार्केट पर असर - निवेशकों के लिए विदेशी निवेश पर असर पड़ेगा, जिससे शेयर बाजार में अस्थिरता बनी रह सकती है। रुपये की गिरावट को रोकने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) समय-समय पर बाजार में डॉलर की आपूर्ति करता है। इसके अलावा, सरकार आर्थिक सुधारों, निर्यात बढ़ावा देने और विदेशी निवेश आकर्षित करने के लिए नई नीतियों पर काम कर सकती है। रुपये की तेज गिरावट को रोकने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने सरकारी बैंकों के जरिए डॉलर बेचकर हस्तक्षेप किया है। हालाँकि, विश्लेषकों का मानना है कि जब तक वैश्विक बाजार स्थिर नहीं होते, रुपये पर दबाव बना रहेगा। अगर वैश्विक कारक प्रतिकूल बने रहे और घरेलू अर्थव्यवस्था में सुधार नहीं हुआ, तो रुपये में और गिरावट संभव है। हालाँकि, कुछ वित्तीय विश्लेषकों का कहना है कि आरबीआई के हस्तक्षेप और कच्चे तेल की कीमतों में स्थिरता आने पर रुपये में कुछ सुधार हो सकता है। रुपये की रिकॉर्ड गिरावट भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक चुनौती है। हालाँकि, सरकार और आरबीआई द्वारा उचित नीतियों के जरिए इसे स्थिर किया जा सकता है। निवेशकों और आम जनता को सतर्क रहने और आर्थिक घटनाओं पर नजर बनाए रखने की जरूरत है।

न्यूट्रिक प्रो कबड्डी टूर्नामेंट के सफल आयोजन पर समिति अध्यक्ष बिसेन ने जताया आभार

अगले वर्ष भी भव्य खेल प्रतियोगिता आयोजित करने का दिया आश्वासन

लाकेश पंचेश्वर । सिटी चीफ लालबरां, औलियाकन्हार फिजिकल क्लब के तत्वाधान में आयोजित दो दिवसीय न्यूट्रिक प्रो कबड्डी टूर्नामेंट के सफल आयोजन पर क्लब के चेयरमैन ओपी बिसेन ने समस्त दर्शकों,खिलाड़ियों, ग्रामवासियों,विभिन्न शासकीय विभागों के कर्मचारियों एवं स्थानीय वालन्टियर्स का आभार माना है।तत्संबंध में जानकारी देते हुए श्री बिसेन ने कहा कि औलियाकन्हार फिजिकल क्लब का अपनी स्थापना के पश्चात् यह प्रथम टूर्नामेंट था जो आशातीत सफल रहा है।12 अक्टूबर 2023 को फिजिकल क्लब की स्थापना के पश्चात् इस खेल ग्राउंड पर जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राट अशोकसिंह सरस्वार द्वारा प्रदत्त विभिन्न कार्यों से इसे खेलों के अनुकूल बनाया गया।अब तक खेल मैदान में सीमेंट रोड बन चुकी है एवं मैदान समतलीकरण का भी बहुत सारा कार्य हो चुका है। वर्तमान में प्रैक्टिशनर लड्डके-लड्डकियों की सुविधा हेतु शौचालय निर्माण का कार्य जारी है।क्षेत्रीय जनपद सदस्य श्री हरिशंकर बनवारी के सहयोग से मैदान में अतिशोण हाईमास्ट लाइट लगाई जानी है और अब विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे ने भी खेल ग्राउंड में ज्यादा सुविधाएं जुटाने का आह्वान किया है,अतःआगामी समय में कुछ बड़े कार्य विधायकजी इस खेल ग्राउंड हेतु मंजूर करेंगी, ऐसी आशा है।

श्री बिसेन ने कहा कि टूर्नामेंट के सफल आयोजन में ग्राम सरपंच श्रीमती प्रेमलता बिसेन, उपसरपंच श्रीमती अंजीरा पाटिल सहित सभी पंचगण श्रीमती डिलन बोपचे,दीपक कटरे,श्रीमती सरला यादव, श्रीमती रविता पांडे, संदीप गुनेश्वर,श्रीमती



पुष्पा चौहान, कोमल बोपचे,श्रीमती भूमेश्वरी बाहेश्वर,श्रीमती जमुना कातुरे, श्रीमती ममता नागेश्वर,तोपराम बिसेन,वीरेन्द्र पंचेश्वर,रमेश चौहान,मंतलाल बाहेश्वर एवं ग्राम सचिव संतलाल पन्डे का सराहनीय योगदान रहा। इनके अतिरिक्त संरक्षकगण शंकरलाल यादव,शीतलप्रसाद हरिद्राज,छन्नूलाल कटरे, परमानंद नागेश्वर,झामसिंह राणा,पोखनलाल टेंभरे,गणेश नागेश्वर,नगारची नागेश्वर,प्रमोद चौहान,आशाराम कटरे,राजेश बनवाले,शीतल ब्रम्हे, सालिकराम कटरे,मो.रहेमान खान,नब्बूलाल पटले,देवाजी रहांगडाले,जयराज भारद्वाज, नीलकंठ नागेश्वर,प्रेमलाल बिसेन,दीपक सिलहारे,जयपाल यादव,बसंत ब्रम्हे,मन्नुलाल यादव,राजाराम सहारे,बाबूलाल रहांगडाले एवं रामप्रसाद चौधरी का महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश इस टूर्नामेंट के आयोजन हेतु समय-समय पर प्राप्त हुआ। संरक्षकों के निर्देश पर आयोजन समिति के सभी सदस्यगण शरद धानेश्वर सेक्रेटरी,महेन्द्र चौहान, धनेन्द्र पटले,हितेश नागेश्वर, मुकेश चौहान,सुनील बिसेन, विजय नागेश्वर,प्रह्लाद बिसेन, विनय हरिद्राज,रोमेश हरिद्राज, सुनील

ब्रम्हे,आकाश खान,दीपक मराठा,तपेश रंगारे, कपिल सोनवाने, धनेश बिसेन,देवेश बिसेन,मंगल सहारे,श्यामकिशोर यादव,राजकुमार यादव,उमाप्रसाद नागेश्वर,उम्मेद कटरे,संतोष नागेश्वर,सनम ब्रम्हे,अंकित नागेश्वर,शांतनु भारद्वाज, जितेन्द्र यादव,कोमल अर्जुनवार, अतीश यादव,अशोक रंगारे एवं अशोक शेन्डे आदि ने टूर्नामेंट की सफलता हेतु अथक परिश्रम किया। टूर्नामेंट को सफल बनाने में जिला खेल अधिकारी श्री कृष्णकुमार चौरसिया एवं ब्लॉक खेल समन्वयक लालबरां लव पटेल नगपुरे सहित,रमेश दीक्षित महासचिव महासचिव जिला कबड्डी संघ बालाघाट तथा निर्णायक समिति के रविशंकर उडके,भीमराज ठाकरे,विजेन्द्र उडके,राजेश सोनेकर,मोहपाल उडके एवं उमेश सपाटे का महत्वपूर्ण योगदान रहा। टूर्नामेंट की सफलता में बालाजी कम्प्यूटर लालबरां के संचालक हेमन्त मुदलियार,उत्कर्ष कम्प्यूटर लालबरां के संचालक छविन्द्र सानेकर,सुलेमान खान,श्री अमरनाथजी ढाबा के संचालक प्रदीप सूर्यवंशी,महेन्द्र चौहान, देवेन्द्र यादव,आदुष वराड़े एवं ग्राम बघोली के सैनिक निरज ठाकरे एवं सभी पत्रकार साथियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। गांव की उमंग टीम हेतु ग्राम के युवा निलेश रहांगडाले ने ट्रॉफी प्रदान की। टूर्नामेंट के मैचों को अपनी कमेन्ट्री के माध्यम से खुमानसिंह उडके ने सजीव बनाया। टूर्नामेंट के दोनों दिन स्वास्थ्य विभाग का अमला मय एम्बुलेंस सहित एवं पुलिस कर्मचारी भी उपस्थित रहे,ग्रामीण यांत्रिकी

विभाग के अभियंता श्री तिवारी ने खिलाड़ियों के रात्रि विश्राम हेतु हॉल की व्यवस्था की,त्वरित विद्युत कनेक्शन जेई सरफराज कुरैशी ने प्रदान किया,टूर्नामेंट की सफलता में इनका भी महती योगदान रहा। श्री बिसेन ने कहा कि आमंत्रित अतिथियों में हरिशंकर बनवारी जनपद पंचायत सदस्य क्षेत्र क्रमांक 7, श्रीमती लक्ष्मी वाघाड़े जिला अध्यक्ष महिला कांग्रेस,भाऊराम गाढ़ेश्वर अध्यक्ष ब्लॉक कांग्रेस कमेटी लालबरां,धर्मेन्द्र ढान्डे उपाध्यक्ष ब्लॉक कांग्रेस कमेटी लालबरां,शैलेश केकती विधायक प्रतिनिधि सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र,कृष्ण कुमार चौरसिया जिला खेल अधिकारी बालाघाट, नरेश धुवारे अध्यक्ष जिला एथलीट संघ बालाघाट,सुधीर तोमर सहसचिव एवं कोच पुलिस व्हालीवाल अकादमी, आकाशवाणी बालाघाट उदघोषक अजय बैस,दीपक तोमर समाजसेवी लालबरां, कमल शांडिल्य अध्यक्ष मछुवारा समिति,गोविंद पटले सरपंच ग्राम पंचायत चिचागांव,कैलाश नखाते सरपंच प्रतिनिधि ग्राम पंचायत खारी,संतोष पांडे समाजसेवी लालबरां,प्रदीप समाजसेवी मनीष कुशवाहा जिला अध्यक्ष पिछड़ा वर्ग कांग्रेस,अय्यूब भारती संयोजक कौमी एकता कमेटी सहित जिला कबड्डी संघ अध्यक्ष एवं विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे ने उपस्थित रहकर खिलाड़ियों एवं आयोजकों का हौसला-अफजाई किया।

श्री बिसेन ने कहा कि इस टूर्नामेंट के प्रति खिलाड़ियों एवं ग्रामीणों सहित सभी गाँव का रूझान देखते हुए आगामी वर्ष भी जनसहयोग से टूर्नामेंट का भव्य आयोजन किया जाएगा।

जल जीवन मिशन के कार्यों को मार्च तक पूरा करें- मंत्री श्रीमती उडके

मंत्री श्रीमती उडके ने आगर मालवा, राजगढ़ एवं शाजापुर जिले की पेयजल योजनाओं की समीक्षा की

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ शाजापुर, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग जल जीवन मिशन के कार्यों को मार्च 2025 तक पूरा करें। उक्त निर्देश प्रदेश के लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की मंत्री श्रीमती सम्पतिया उडके ने आज कलेक्टर कार्यालय शाजापुर के सभाकक्ष में आगर मालवा, राजगढ़ एवं शाजापुर जिले की पेयजल योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए दिये। इस मौके पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्री हेमराज सिंह सिसोदिया, नगरपालिका अध्यक्ष श्री प्रेम जैन, मध्यप्रदेश जल निगम मर्यादित प्रबंध संचालक भोपाल श्री वी.एस. चौधरी कोलसानी (आईएएस), डॉ. रवि पांडे, जिला पंचायत सीईओ श्री संतोष टैगोर, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सुश्री मनीषा वास्कोले, कार्यपालन यंत्री शाजापुर श्री विजय सिंह चौहान, महाप्रबंधक जल निगम राजगढ़ श्री एसके जैन, श्री हरिओम गोठी, आगर मालवा एवं राजगढ़ जिले के लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यप्रलन यंत्री एवं जल निगम के अन्य अधिकारीगण भी उपस्थित थे।

मंत्री श्रीमती सम्पतिया उडके ने तीनों जिलों में पेयजल वितरण के लिए किये जा रहे कार्यों की बिन्दुवार समीक्षा की। उन्होंने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को निर्देश दिए कि अधूरे कार्यों को मार्च 2025 तक शत प्रतिशत पूरा कराएँ। उन्होने आगर मालवा जिले में किये गये कार्यों की प्रशंसा भी की। मंत्री श्रीमती उडके ने निर्देश दिए कि जल निगम कार्यों को शीघ्र पूरा करें, ताकि आमजन को पेयजल उपलब्ध हो। उन्होंने कहा कि जैसे-



जैसे कार्य पूर्ण होते जाए, उनका लोकार्पण स्थानीय जनप्रतिनिधियों से कराए। जिन ग्रामों में पेयजल की सर्वाधिक समस्या है ऐसे ग्रामों को प्राथमिकता देते हुए पेयजल पहुंचाने की व्यवस्था करें। साथ ही उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल पाईप लाइन बिछाने के लिए सबसे आखिरी में कार्य शुरू करें, पहले ग्राम में टंकी निर्माण एवं पेयजल की व्यवस्था कराएँ और पाईप लाइन बिछाने के लिए खोदी गई सड़कों के मरम्मत का कार्य प्राथमिकता के साथ पूरा करें।

मंत्री श्रीमती उडके ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा ग्रामीणजनों को उनके घर तक शुद्ध पेयजल प्रदान करने के लिए महत्वकांक्षी योजना शुरू की है। यह कार्य देश में पहली बार हुआ है, जिससे ग्रामीणों को घर बैठे पानी मिलेगा। मंत्री श्रीमती उडके ने कहा कि विभागीय अधिकारी सुनिश्चित करें कि ग्रामीण क्षेत्र का एक भी घर पेयजल के लाभ से वंचित न रहे, हर घर को पानी पहुंचाने का कार्य करें। बैठक में मंत्री श्रीमती उडके ने निर्देश दिए कि घरों में नलजल का कनेक्शन सड़क पर स्टैण्ड पोस्ट बनाकर नहीं दे, बल्कि हितग्राही के

घर के आंगन तक पाईप लाइन पहुंचाए।

मंत्री श्रीमती उडके ने कहा कि पूर्ण होने वाले कार्यों को हस्तांतरित करना ही पर्याप्त नहीं है, देखे कि योजना ठीक से चल रही है या नहीं। ग्राम सभा की बैठकों में योजना के क्रियान्वयन का फीडबैक भी लें। जनप्रतिनिधियों द्वारा बताये गये कार्यों को प्राथमिकता से पूरा करें। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग में यदि उपयंत्रियों की कमी है तो ग्रामीण यांत्रिकी सेवा शिक्षा मिशन के उपयंत्रियों की सेवाएँ ले सकते हैं। इस अवसर पर प्रबंध संचालक श्री कोलसानी ने शाजापुर, राजगढ़ एवं आगर मालवा जिले में चल रहे कार्यों की विस्तार से जानकारी दी।

चिस्त्र परियोजना के कार्यों का निरीक्षण मंत्री श्रीमती सम्पतिया उडके ने शाजापुर में जल निगम द्वारा समूह जल प्रदाय योजनान्तर्गत प्रगतिरत चिस्त्र परियोजना के इंटेक्वेल एवं जल शोधन यंत्रालय का निरीक्षण भी किया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्माण कार्यों के साथ साथ बिजली कनेक्शन लेने की प्रक्रिया भी शुरू करें।

साइबर सेल द्वारा आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों को साइबर अपराध के प्रति जागरूक करते हुए इनसे बचाव के उपाय सुझाए गए



गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर । देवबंद, सर्वोदय ज्ञान पब्लिक स्कूल में साइबर सेल द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें विद्यार्थियों को साइबर अपराध के प्रति जागरूक करते हुए इनसे बचाव के उपाय सुझाए गए। कार्यक्रम कोतवाली के साइबर सेल प्रभारी रूपेंद्र कुमार ने बताया कि मोबाइल पर आने वाले किसी भी तरह के संदेश या लिंक को

बिना सुरक्षा जांच किए क्लिक न करें। साथ ही किसी भी तरह की काल आने पर ओटीपी व अन्य संबंधी जानकारी उनके साथ साझा न करें। इस तरह के संदेश आने पर साइबर हेल्प लाइन नंबर 1930 पर जानकारी दें। प्रधानाचार्य रूपेश सैनी ने कहा कि यदि साइबर सतर्कता का प्रयोग किया जाए तो आर्थिक, मानसिक व शारीरिक हानि से बचा जा सकता

है। कमलेश यादव व कपिल राणा ने भी जानकारी दी। इस मौके पर शिवकुमार सैनी, अनिता सैनी, वंदना ध्रुव, सुनिता चौधरी व सुनिता तोमर मौजूद रहे। उधर, आरके पब्लिक स्कूल में भी साइबर अपराध नियंत्रण को कार्यशाला आयोजित हुई और छात्रों से इंटरनेट मीडिया का सुरक्षित प्रयोग के बारे में भी जागरूक किया गया।

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर । देवबंद,के एल जनता इंटर कॉलेज देवबंद में व्यापार मंडल के अध्यक्ष रहे अरुण गुप्ता का भाजपा नगर अध्यक्ष बनने पर स्वागत अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए व्यापार मंडल के प्रदेश उपाध्यक्ष दीपक राज सिंघल ने कहा कि हमें जहां दूसरों की तारीफ एवं धन्यवाद करना होता है वही अपनी का भी धन्यवाद एवं तारीफ करनी चाहिए। इससे उनका मनोबल बढ़ता है एवं कार्य करने में क्षमता दुगुनी हो जाती है। उन्होंने अरुण गुप्ता को बहुत ही मेहनती, कर्मठ, ईमानदार, व्यक्तिव का धनी बताते हुए कहा कि जो ऊंचाइयां उन्हें मिली है उसका आधार व्यापार मंडल है। यह वह ध्यान रखें एवं लोगों की सेवा करते रहे। नगर अध्यक्ष अश्वनी मि्तल, नगर प्रभारी राजन छाबड़ा, नगर महामंत्री चौधरी सतवीर सिंह कसाना, नगर कोषाध्यक्ष वरयाम



खान ने उनको पगड़ी और अंग वस्त्र भेंट करते हुए कहा की अरुण गुप्ता व्यापार मंडल में नीव की तरह हैं जिन्होंने व्यापार मंडल को बहुत मजबूती प्रदान की है हमें उनका भाजपा अध्यक्ष बनने पर अभिनंदन करते हुए गर्व महसूस हो रहा है। युवा अध्यक्ष रविंद्र चौधरी, युवा महामंत्री विकास पुंडीर, युवा कोषाध्यक्ष अंशुल वर्मा ने उन्हें अभिनंदन पत्र भेंट किया। कार्यक्रम को विजय गिरधर,

विजेश कंसल, सतीश गिरधर, डॉक्टर सुखपाल सिंह ने भी संबोधित करते हुए अरुण गुप्ता को भाजपा नगर अध्यक्ष बनने पर बधाई दी। स्वागत अभिनंदन में अरुण गुप्ता ने कहा कि अपने परिवार में सम्मान पाकर मैं और हौंसले के साथ सेवा कार्य में लगूंगा एवं हर व्यापारी के लिए हर वक्त उपलब्ध रहूंगा। मैं पहले व्यापारी हूँ व्यापार मंडल का सदस्य हूँ बाद में और कुछ। मैं

अपने सभी व्यापारी भाइयों का स्वागत अभिनंदन के लिए तहे दिल से आभार व्यक्त करता हूँ। संचालन वरिष्ठ अधिवक्ता देवीदयाल शर्मा ने एवं अध्यक्षता प्रदेश उपाध्यक्ष दीपक राज सिंघल ने की। कार्यक्रम में मुख्य रूप से दीपकराज सिंघल, अश्वनी मि्तल, सतवीर चौधरी, वरयाम खान, राजन छाबड़ा, रविंद्र चौधरी, विकास पुंडीर, अंशुल वर्मा के साथ-साथ विजय गिरधर, विजेश कंसल, सतीश गिरधर, डॉक्टर सुखपाल सिंह, महेंद्र गिरधर, संजय चावला, राजेश गर्ग, अजय गर्ग, कुशल सिंघल, आलोक सिंघल, अनुज गर्ग, अमित सोनी, विशाल गोयल, संजय गोयल, कपिल जैन, रोहित अग्रवाल, रॉबिन गर्ग, मुकीम अब्बासी सहित बड़ी संख्या में व्यापारी उपस्थित रहे। नगर महामंत्री चौधरी सतवीर सिंह कसाना ने सभी का आभार व्यक्त किया एवं भोजन पर आमंत्रित किया।

जगन्नाथ चौक से लेकर घंटाघर तक निर्मित की जा रहे सड़क चौड़ीकरण को लेकर प्रशासन और नगर निगम ने शुरू की कार्यवाही

हटाए गए मंदिर, आवासों को किया गया चिन्हित

सुनील यादव । सिटी चीफ कटनी, घंटाघर से लेकर जगन्नाथ चौक तक की सड़क हर नागरिक के लिए नासूर बनी हुई है। जब तक नई सड़क बनकर तैयार नहीं हो जाती, तब तक लोगों को चैन की सांस नहीं मिलेगी। उल्लेखनीय है कि यह शहर का प्रमुख मार्ग है। नगर निगम महापौर के प्रयासों से इसके चौड़ीकरण के साथ निर्माण कार्य की प्रक्रिया का प्रशासन और नगर निगम के अधिकारियों ने क्वायद शुरू कर दी हैं जिसके तहत कई आवासों को चिन्हित

किया गया इसके साथ ही सड़क चौड़ीकरण निर्माण में बाधा बन रहें कुछ मंदिरों को प्रशासन और निगम अधिकारियों की मौजूदगी में हटाया गया। सरकारी अधिकारियों ने गुरुवार को शंकर जी का मंदिर को ढहा दिया और उस पीपल के पेड़ को हटाने की कार्यवाही भी शुरू कर दी गई जिसके नीचे मंदिर था।वही तिलक राष्ट्रीय स्कूल के सामने स्थित साई मंदिर को भत्तों मौजूदगी में पूरे विधि विधान के साथ पूजन अर्चन करते हुए अन्यत्र स्थापित किया गया। नगर निगम

और जिला प्रशासन के अधिकारियों ने सड़क चौड़ीकरण कार्य का जायजा लिया और सड़क चौड़ीकरण में बाधक बन रहें भवन खामियों से भी चर्चा की जिस पर बाधक बने हिस्से को हटाने पर सहमति बनी। प्रशासन अन्य धार्मिक समितियों से आपसी मेलजोल से बाधित निर्माण को हटाने के प्रयास कर रहा है और प्रयास में प्रशासन को सफलता भी मिलती दिखाई दे रही है। जगन्नाथ चौक से घंटाघर तक की बाधाओं को हटाने पर प्रमुखता से चर्चा



करतें हुए कार्यवाही जारी हैं इस दौरान अनुविभागीय अधिकारी राजस्व प्रदीप मिश्रा, तहसीलदार बी के मिश्रा, पटवारी,कार्यपालन यंत्री सुधीर मिश्रा सहित पुलिस बल एवं नगर निगम का अमला मौजूद रहा।

किसी भी स्थिति में डीजे रात्रि में निर्धारित समय 10 बजे से सुबह 6 बजे तक बिल्कुल नहीं बजायेंगे

डीजे संचालक इसका उल्लंघन करते हैं तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाही की जायेगी –कलेक्टर

दमोह, विद्यार्थियों की परीक्षाएं प्रारंभ हो गई हैं, कुछ कक्षाओं की और कुछ कक्षाओं की परीक्षाओं का समय निकट आ रहा है। ऐसी स्थिति में कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक को लगातार लोगों से शिकायतें मिलती हैं कि डीजे बड़ी तेज़ आवाज़ में बज रहे हैं। इस संबंध में कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने कहा है, इस सिलसिले में आज और कल में सभी जगह डीजे

संचालकों की थाना स्तर पर बैठकें हो रही हैं और उनको सख्त हिदायत दी जा रही है कि किसी भी स्थिति में डीजे रात को 10 बजे से सुबह 6 बजे तक बिल्कुल नहीं बजायेंगे। यदि कोई भी डी.जे. संचालक इसका उल्लंघन करता है, तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा इसमें पुलिस अधीक्षक ने दो हेल्पलाइन नंबर जारी किए हैं, पहला नंबर 7049137102 और

दूसरा नंबर 7587619002 हैं। यदि आप के आसपास कहीं पर भी डी.जे. या ध्वनी का बहुत अधिक शोर हो रहा हो तो तत्काल इसकी जानकारी दें। इसके अलावा दमोह हेल्पलाईन नंबर 07812-350300 पर भी इसकी जानकारी दे सकते हैं। आप जैसे ही जानकारी देंगे, तत्काल संबंधित थाने के अधिकारी अलर्ट होंगे और वह तुरंत कार्रवाई करेंगे।



मण्डी नए गेहूँ क्रय क्रेन्ड बनाए गए हैं। उन्होंने तीनों संस्था प्रभारियों को निर्देशित किया जाता है कि निर्धारित स्थान पर गेहूँ कय केन्द्रों को तत्काल स्थापित कर, उक्त कय केन्द्रों पर गेहूँ कय सम्बन्धी सम्पूर्ण व्यवस्थाएं व कृषकों की सुख-सुविधा की व्यवस्था पूर्ण कराते हुए तत्काल गेहूँ कय केन्द्रों पर खरीद कार्य करना सुनिश्चित करें। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होगा।

मण्डी और ब्लॉक देवबंद में देवबंद



कलेक्टर ने पंचायत ग्रामीण विकास, नगरीय विकास, सामाजिक न्याय, श्रम एवं महिला बाल विकास विभागों की लंबित सीएम हेलपलाइन शिकायतों की समीक्षा कर दिए अहम दिशा-निर्देश

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ दमोह, कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में पंचायत ग्रामीण विकास, नगरीय विकास, सामाजिक न्याय, श्रम एवं महिला बाल विकास विभागों की लंबित सीएम हेलपलाइन शिकायतों की समीक्षा की। समीक्षा के दौरान दिसंबर 2024 तक की लंबित शिकायतों की विषयवार चर्चा की गई एवं संबंधित अधिकारियों के शिकायतों के निराकरण हेतु निर्देशित किया गया। सभी सम्बंधित अधिकारियों को निर्धारित तिथियों के अनुसार निराकरण करने के निर्देश दिए गए। समीक्षा बैठक के दौरान नवागत मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत प्रवीण फुलपगारे विशेष रूप से मौजूद रहे। कलेक्टर ने कहा जिन शिकायतों के निराकरण किए जा चुके हैं, उन्हें शिकायतकर्ता को अवगत कराते हुए संतुष्टि से बंद कराएं एवं जो शिकायत राज्य शासन से निराकरण योग्य हैं, उनके संबंध में शासन को पत्र के माध्यम से अवगत कराया जाये। साथ ही जिन शिकायतों के



निराकरण नहीं हो सकते उनके संबंध में शिकायतकर्ता को कारण सहित लिखित सूचना दी जाए। नवागत सीईओ जिला पंचायत

फुलपगारे ने अधिकारियों को शिकायतों के निराकरण गंभीरतापूर्वक किए जाने के निर्देश दिए।

स्कूलों के अंदर केवल एन.सी.आर.टी. की किताबों का उपयोग किया जायेगा-कलेक्टर

पुस्तक मेला 20 से 25 मार्च तक लगाये जायेंगे

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ दमोह, कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने कहा फीस अधिनियम के अंतर्गत निजी विद्यालयों में फीस के निर्धारण, स्कूल की किताबें, कॉपी और यूनिफॉर्म आदि के संबंध में लगातार कार्रवाई की जा रही हैं। इसी सिलसिले में अभी एक बड़ी कार्रवाई प्रारंभ की है, जिसके संबंध में आदेश जारी हो रहे हैं। अभी तक सेंट नॉर्बर्टस स्कूल, गुरु नानक स्कूल एवं साइनिंग स्टार स्कूल तथा टी.ए.एस. स्कूल नरसिंहगढ़ रोड दमोह के आदेश जारी किए गये हैं। उन्होंने कहा यह आदेश बेसिकली इस बात के लिए है कि सत्र 2025-26 में कक्षा वार कक्षा पहली से बारहवीं तक कौन-कौन सी किताबें चलेंगी, इन स्कूलों में बड़ी खुशी है बताते हुए कि इन तीनों स्कूलों ने एन.सी.आर.टी. की किताबों को अडॉप्ट किया है, पहली से लेकर के बारहवीं तक इसका मतलब यह है की और किसी बोर्ड की किताब या किसी निजी पब्लिसर की किताब इन तीन स्कूलों के अंदर उपयोग नहीं की जाएंगी, केवल एन.सी.ई.आर.टी. की किताबों का उपयोग किया

जाएगा। गुरनानक स्कूल में पंजाब सरकार का जो बोर्ड है, क्योंकि वहाँ पंजाबी भाषा की किताब है, तो वो पंजाब सरकार के बोर्ड से ली गई है। जो आदेश जारी किया है उसमें इन किताबों की पूरी जानकारी, इनकी कीमत सब कुछ तय की गई है। कलेक्टर ने जिले के अभिभावकों से आग्रह करते हुये कहा है कि जो किताबें निर्धारित की गई हैं, पहली से बारहवीं तक के विद्यार्थियों के लिए की गई है, सभी किताबें एन.सी.ई.आर.टी. या स्टेट बोर्ड की किताबें हैं, सबके मूल्य निर्धारित हैं, उसका एक आदेश जारी कर दिया गया है। उन्होंने कहा इन किताबों के अलावा कोई भी किताब आप कदापि ना खरीद करें, यह जो आदेश जारी किए हैं, स्कूलों की सहमति के आधार पर जारी किए हैं और स्कूल इसमें पूरी तरह से सहमत हैं, इसीलिए स्कूल भी अब आपको फीस नहीं करेंगे कि इनके अलावा और कोई किताब आप खरीदें, तो किसी भी स्थिति में अभिभावकगण इन किताबों के अलावा कोई किताब नहीं खरीदें, चाहे आपके ऊपर कोई कैसा भी दबाव बनाए, इस बात का आपको विशेष ध्यान रखना है। उन्होंने कहा

यदि आपको कोई मजबूर करता है तो दमोह हेलपलाईन नंबर 07812-350300 पर तत्काल आप शिकायत दर्ज कराये, हम ऐसे व्यक्तियों या विद्यालयों के विरुद्ध कार्रवाई करेंगे। उन्होंने कहा एन.सी.ई.आर.टी. की किताबें अब ऑनलाइन उपलब्ध हैं, सारे ऑनलाइन प्लैटफॉर्मस पर किताबें बिकती हैं, एनसीईआरटी के पोर्टल पर किताबें उपलब्ध हैं, आप उनका भी इस्तेमाल कर सकते हैं, बाजार से खरीदने की कोई आवश्यकता नहीं है। आप किताब ऑनलाइन क्रय कर सकते हैं। लेकिन यदि आपको किताब ऑनलाइन क्रय नहीं करनी है तो पुस्तक मेला 20 से 25 मार्च तक लगायेंगे, अभिभावक इस पुस्तक मेले में आकर किताबें खरीद सकते हैं और यह सारी किताबें एन.सी.ई.आर.टी. की एम.आर.पी. में बिकती है और इसका मूल्य बिलकुल निर्धारित है। इसलिये कोई भी दिक्रत खरीदने में नहीं आनी चाहिए। ये किताबें बहुत सस्ती भी हैं और ऑथेंटिक भी हैं तो आप ये किताबे किसी भी पुस्तक विक्रेता से खरीद सकते हैं, कहीं से खरीदने की कोई बाध्यता नहीं है। अभी हमने यह तीन स्कूलों

के लिए जारी किए हैं, लगातार बाकी स्कूलों के लिए भी यह आदेश जारी किये जा रहे है। इन आदेशों को ध्यान से देखते रहिये, जिस स्कूल में आपके बच्चे पढ़ते हैं, उसके लिए आदेश जरूर देखते रहिये, सोशल मीडिया आदि पर सब जगह आदेश उपलब्ध रहेंगे, उसी के अनुसार आपको किताबें खरीदनी हैं, आपको किसी के प्रेशर में नहीं आना है, क्योंकि यदि आप प्रेशर में आए तो हमारा पूरा उद्देश्य विफल हो जाएगा, तो इस बात का आप ध्यान रखें। उन्होंने कहा तीनों स्कूलों को धन्यवाद देता हूँ जिन्होंने इस बार एक बड़ा कदम उठाते हुए केवल और केवल एन.सी.ई.आर.टी. की किताबों को चलाने का निर्णय अपने स्कूल में लिया है और भी कक्षा पहली से बारहवीं तक। पहले यह होता था कि यह स्कूल कक्षा नौवीं से बारहवीं में एन.सी.ई.आर.टी. चलाते थे। इस बार इन लोगों ने पहली से बारहवीं तक एन.सी.ई.आर.टी. चलाई है, जिसके लिए मैं इनकी प्रशंसा करता हूँ और आशा करता हूँ कि आप सभी इस निर्णय से लाभान्वित होंगे।

डेवलपमेंट पार्टनर्स द्वारा निर्धारित शर्तों के आधार पर इंटरनशिप कराई जायेगी-कलेक्टर

मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम अंतर्गत जन अभियान परिषद द्वारा बीएसडब्ल्यू एवं एमएसडब्ल्यू की कक्षाओं का संचालन जिले के सभी विकासखण्डों में प्रदेश में इस तरह का पहला प्रयोग

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ दमोह, मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम अंतर्गत जन अभियान परिषद के द्वारा बीएसडब्ल्यू एवं एमएसडब्ल्यू की कक्षाओं का संचालन जिले के सभी विकासखंडों में किया जा रहा है। कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने संबंधितों को छ्च्छृच्छ्रक कार्यक्रम अंतर्गत अध्ययनरत छात्रों के अंदर नेतृत्व कौशल, सामाजिक उद्यमिता, सरकारी एवं गैर सरकारी संगठनों में सामाजिक कार्य के अवसर, प्रदान हो सके इस दृष्टि से शासन के साथ कार्य करने वाले डेवलपमेंट पार्टनर्स जो कि बड़े वॉलंटरी ऑर्गेनाइजेशन है और सरकार के साथ विभिन्न विषयों पर कार्य करते हैं। इन डेवलपमेंट पार्टनर्स के

सहयोग से एमएसडब्ल्यू एवं बीएसडब्ल्यू के छात्रों को इंटरनशिप कराने के लिए जिले में कार्य करने वाले डेवलपमेंट पार्टनर्स को उनकी सहमति के आधार पर पत्र लिखकर निर्देशित किया गया है। इंटरनशिप छ्च्छृच्छ्रक पाठ्यक्रम का हिस्सा भी है। कलेक्टर ने कहा डेवलपमेंट पार्टनर्स द्वारा निर्धारित शर्तों के आधार पर इंटरनशिप कराई जाएगी। उन्होंने कहा इंटरनशिप का कार्य प्रोजेक्ट वर्क के आधार पर कराया जाए न की संस्था की रूटीन कार्यों के संबंध में, इंटरनशिप की अधिकतम अवधि 45 दिन की होगी। सफलता पूर्वक इंटरनशिप पूर्ण करने पर संस्था द्वारा संबंधित छात्र को अनुभव प्रमाण पत्र दिया जाएगा। छात्र द्वारा चयनित

का हिस्सा भी है। इंटरनशिप पूर्ण करने वाले छात्र को अनुभव प्रमाण पत्र भी संबंधित संस्थान के द्वारा प्रदान किया जाएगा। इन संस्थानों में इंटरनशिप करने से कुछ नया सीखने और जानने को मिलेगा। इस प्रकार की पहल सभी जिलों मंर भी की जाना चाहिए।उन्होंने बताया अजीम ऑफ सोशल वर्क के छात्रों के साथ जिले में कार्य करने वाले डेवलपमेंट पार्टनर्स के सहयोग से एक दिवसीय कैरियर गाइडेंस संवाद कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में 250 से अधिक छात्रों द्वारा सहभागिता की गई। सभी डेवलपमेंट पार्टनर्स द्वारा सभी छात्रों को इंटरनशिप करने पर सहमति व्यक्त की गई है। इंटरनशिप छ्च्छृच्छ्रक पाठ्यक्रम

सड़कों पर गड़ों से हाईकोर्ट सख्त

लोक निर्माण विभाग को दिए मरम्मत के निर्देश

राजीव खरे । सिटी चीफ बिलासपुर, छत्तीसगढ़ में तखतपुर-मुंगेली-पंडरिया सड़क की बदहाल स्थिति पर हाईकोर्ट ने गंभीर रुख अपनाने हुए इसे जनहित याचिका के रूप में लिया है। अदालत ने लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के सचिव को निर्देश दिया है कि आचार संहिता समाप्त होते ही सड़कों की मरम्मत का कार्य तेजी से शुरू किया जाए। इस मामले की अगली सुनवाई 4 मार्च को होगी। तखतपुर-मुंगेली-पंडरिया मार्ग पर गड़ों की भरमार से राहगीरों, वाहन चालकों और स्थानीय नागरिकों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। आए दिन दुर्घटनाएँ हो रही हैं, जिससे आमजन की सुरक्षा पर सवाल खड़े हो रहे हैं। स्थानीय निवासियों और सामाजिक संगठनों ने कई बार सड़कों की मरम्मत की मांग उठाई, लेकिन अब तक प्रशासनिक स्तर पर कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया था। सड़क की जर्जर हालत को लेकर लगातार मिल रही शिकायतों को संज्ञान में लेते हुए हाईकोर्ट ने इसे जनहित याचिका के रूप में दर्ज कर लिया। अदालत ने साफ किया कि जनता को मूलभूत सुविधाएँ मुहैया कराना सरकार की जिम्मेदारी है, और



सड़कों की बदहाली को नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता। इस समय प्रदेश में आचार संहिता लागू होने के कारण सड़कों की मरम्मत का काम स्थगित है। कोर्ट ने यह स्पष्ट किया कि चुनाव प्रक्रिया समाप्त होते ही लोक निर्माण विभाग को युद्धस्तर पर मरम्मत कार्य शुरू करना होगा स्थानीय नागरिकों का कहना है कि इस सड़क से रोजाना हजारों वाहन गुजरते हैं, जिनमें स्कूली बच्चे, व्यापारी और ग्रामीण शामिल हैं। गड़ों के कारण कई बाइक सवार गिरकर घायल हो चुके हैं, वहीं भारी वाहनों को भी दुर्घटनाओं का सामना करना पड़ रहा है। लोग उम्मीद कर रहे हैं कि कोर्ट के हस्तक्षेप के बाद प्रशासन जल्द हरकत में आएगा। विषय के

जानकारों का कहना है कि सड़क निर्माण और मरम्मत में लापरवाही की प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है। समय पर मरम्मत नहीं होने से न केवल आमजन को मुश्किलों का सामना करना पड़ता है, बल्कि सरकारी धन का भी नुकसान होता है। यदि निर्माण कार्य में गुणवत्ता का ध्यान रखा जाए और समय-समय पर मॉनिटरिंग हो, तो इस तरह की समस्याएँ उत्पन्न ही नहीं होंगी। कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई 4 मार्च को निर्धारित की है। उम्मीद की जा रही है कि इस दौरान पीडब्ल्यूडी द्वारा कोर्ट की सड़कों की मरम्मत को लेकर कार्ययोजना प्रस्तुत की जाएगी। अगर विभाग इस पर ठोस कार्यवाही नहीं करता है, तो अदालत आगे और कड़े निर्देश दे सकती है।

बच्चा चोरी मामले में 50 हजार रुपए का फाइन भी नहीं भरा

सर्विस प्रोवाइडर कंपनियां उपलब्ध नहीं करा रही पासबुक



दमोह- जिला अस्पताल में 2021 से कार्यरत रवि सिक्क्यूरिटी कंपनी इतनी तानाशाह हो गई है कि उसे माह अगस्त से लगातार नोटिस मिल रहे हैं, लेकिन वह एक भी मामले में जवाब नहीं दे रही है। इतना ही नहीं बच्चा चोरी मामले में इसकी सेवा में कमी मानते हुए 50 हजार का फाइन भरने नोटिस जारी किया था, जिसने अभी तक यह राशि जमा नहीं करी है। जिससे यह कंपनी 80 लाख रुपए भविष्य निधि जमा करेगी इस पर संशय है। जिला अस्पताल में भाजपा नेताओं द्वारा विभिन्न ठेके लिए गए हैं। इनके द्वारा नियमों की अवहेलना करते हुए यहां कार्यरत कर्मचारियों का खुला शोषण किया जा रहा है।

बताया जा रहा है कि यहां पर कार्यरत कर्मचारियों को 5 से 8 हजार रुपए के बीच ही वेतन दिया जाता है। जबकि जिला अस्पताल से प्रति कर्मचारी 15 हजार रुपए से अधिक का भुगतान प्राप्त किया जा रहा है। इन कंपनियों द्वारा प्रत्येक कर्मचारी का 10 से 7 हजार रुपए वेतन डकारा जा रहा है। इतना ही नहीं इनके भविष्य कर्मचारियों की भविष्य निधि का घोटाला भी किया जा रहा है। जिला अस्पताल ने इन कंपनियों से कर्मचारियों की पासबुक तलब की है, जिससे पता चल सके कि इन कर्मचारियों के खातों में कितना वेतन और कितनी भविष्य निधि राशि जमा कराई जा रही है। जिसके लिए अगस्त माह से

नोटिस पर नोटिस सिविल सर्जन द्वारा जारी किए जा रहे हैं। लेकिन पूरे मामले कंपनियां राजनीतिक रसूख के कारण सिविल सर्जन के नोटिस को रददी के टोकरी में फेंक रही हैं। यह कंपनियां खुलेआम कर्मचारियों का शोषण कर रही हैं। अस्पताल से बच्चा चोरी हुआ था, इस मामले में रवि सिक्क्यूरिटी की लापरवाही मानते हुए उसे 50 हजार रुपए का नोटिस जारी किया था, यह राशि भी उक्त कंपनी द्वारा जमा नहीं कराई गई है। इसके कर्ताधर्ता जिला अस्पताल में ढींगे हांकते हैं कि उनके खिलाफ कोई भी कार्रवाई नहीं हो सकती हैं और न ही उनकी कंपनी को जिला अस्पताल से बाहर किया जा सकता है क्योंकि हर माह अस्पताल प्रबंधन को बाकायदा वह चढ़ावा चढ़ाते हैं। सेडमैप के लिए अडंगा जिला अस्पताल में वर्तमान में कार्यरत सर्विस प्रोवाइडर कंपनियां कर्मचारियों का अनवरत शोषण करना चाह रही हैं। जिससे वह सेडमैप के हाथों में जा रहे काम के लिए अडंगा डाल रही हैं। अब पंच यहां फंसा है कि उक्त कंपनियों को, यदि बाहर किया जाता है तो यह कंपनियां कर्मचारियों की भविष्य निधि हड़प जाएंगी। जबकि इन कंपनियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई किया जाना आवश्यक है, यदि यह राशि का भुगतान नहीं करती हैं तो इनके कर्ताधर्ताओं के नाम सार्वजनिक करते हुए इनकी संपत्तियों को जब्त कर राशि का भुगतान कराया जाना आवश्यक है।

मिशन D3 (देजा, दारू ओर DJ.) नियंत्रण कर समाज को अतिरिक्त खर्चा ओर कर्जा से मुक्ति दिलवाकर आर्थिक रूप से समाज को मजबूत बनाने के लिए संयुक्त ग्राम सभा का आयोजन अम्बुआ दशहरा मैदान में किया गया

आदिवासी समाज में व्याप्त कुरीतियों के कारण समाज का विकास नहीं हो रहा है- नागर सिंह चौहान

आदिवासी समाज को अपनी पुरानी कुरीतियों को छोड़ कर आगे बढ़ना है- श्रीमती सेना महेश पटेल विधायक जोबट

अलीराजपुर- आलीराजपुर जिला आदिवासी बाहुल्य जिला है हमारा आदिवासी समाज दिन रात कठोर मेहनत करता है इसके बावजूद वह पिछड़ा हुआ है गरीब बना हुआ है,इसके अनेक कारण हो सकते हैं मगर सबसे बड़ा कारण अंध विश्वास एवं समाज में व्याप्त कुरीतियां भी है उक्त विचार आम्बुआ में आयोजित आदिवासी समाज में व्याप्त 3 डी कार्यक्रम में म.प्र शासन के अनुसूचित जनजाति कैबिनेट मंत्री नागरसिंह चौहान ने व्यक्त करते हुए आगे बताया कि आदिवासी समाज में दारू यानि कि शराब का प्रचलन अधिक है जिसके कारण लड़ाई झगडे होते हैं और लोग थाना कचहरी के चक्कर लगाते रहते हैं, इसके बाद दहेज प्रथा भी इन्हें बर्बाद करती है, वर्तमान में आधुनिकता की होड़ में डी.जे का उपयोग विवाह में किया जाता है जिससे भी धन आदि की हानि हो रही है,इन सब को यदि बंद नहीं किया जा सकता है तो कम तो किया जा सकता है उसे कम करना है, आगे बताया कि शासन की विभिन्न योजनाएं चलाई जा रही है जिनका लाभ उठाया जा सकता है।



कार्यक्रम को क्षेत्रीय विधायक श्रीमती सेना पटेल ने संबोधित करते हुए कहा कि आदिवासी समाज को अपनी पुरानी कुरीतियों तथा बुराईयों को छोड़ कर आगे बढ़ना है जिसके लिए दहेज दारू तथा डी.जे का उपयोग बहुत कम करना है तथा धीरे-धीरे इन्हें छोड़ते जाना है श्रीमती पटेल ने कहा की हम सब को अपने आप को सुधारना होगा हम सुधरेंगे तो हमारा परिवार सुधरेगा हमारा परिवार सुधारा तो हमारा गांव सुधरेगा हमारा गांव सुधरा तो हमारा जिला सुधरेगा कार्यक्रम में जिलाधीश अभय अरविंद बेडेकर ने भी अपने उद्बोधन में बुराईयों को छोड़ने का आह्वान किया,।

जोबट पुलिस अनुविभागीय अधिकारी नीरज नामदेव ने संबोधित करते हुए कहा कि इन दिनों साइबर अपराध बहुत अधिक हो रहे हैं जिनके प्रति जागरूक रहने की जरूरत है पुलिस प्रशासन हमेशा आपके साथ है कोई भी परेशानी होने पर पुलिस प्रशासन को तत्काल बताएं,। पुलिस सेवा निवृत्त करणसिंह रावत सेवा निवृत्त न्यायाधीश भारत सिंह रावत, समाज सेवी नितेश अलावा जो कि इस आयोजन के प्रमुख कर्ता धरता है तथा विगत वर्ष से वे समाज को कुरीतियों से बचाने हेतु जुटे हैं तथा समाज के शिक्षित वर्ग एवं सेवा निवृत्त कर्मचारियों आदि को

लेकर योजना को मूर्त रूप देने में लगे हैं, ने भी हजारों की संख्या में उपस्थित समाजजनों को संबोधित करते हुए मिशन पर विस्तार से प्रकाश डाला , उपस्थित अनेक वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किए, स्वागत भाषण युवा कार्यकर्ता महेंद्र सिंह रावत ने दिया तथा कार्यक्रम का संचालन कैप्ट सिंह जमरा ने किया, आयोजन में आम्बुआ के अलावा बोरझाड, इटारानी, टैमाची, चिचलाना,हरदासपुर अडवाडा, झौरा, हीरापुर, सेवड़, मोटाउमर, देकालकुआ , जुवारी, सागोटा, आम्बी , खरखड़ी आदि अनेक स्थानों से हजारों की संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

जनपद पंचायत खिरकिया
जिला हरदा (म.प्र.)

समीक्षा बैठक
प्रशिक्षण सहक

बांग्लादेश की विरासत जलाने पर भी ओछी राजनीति कर गए मोहम्मद यूनूस

नई दिल्ली. समय- रात 11.45, स्थान- ढाका. दिन- गुरुवार. बांग्लादेश के राष्ट्रपिता शेख मुजीबुर्रहमान का घर धानमंडी-32 धीरे-धीरे खाक में तब्दील हो रहा है. इमारत से आग निकल रही है. बाहर करीब 500-600 लोगों की भीड़ है. ये वो भीड़ है जो उस शख्स के घर को जलता हुआ देख ताली बजा रही थी जिन्होंने सबसे पहले एक अलग राष्ट्र के रूप में बांग्लादेश का सपना देखा था. शेख मुजीबुर्रहमान के घर के परिसर में कम से कम 100 लोग मौजूद थे. कुछ लोग हथौड़ों की मदद से इमारत को तोड़ रहे थे, कुछ ईंटों और छड़ों को अलग कर रहे थे. लाउडस्पीकों का उपयोग करते हुए, छात्र संगठनों की आड़ लिए ये गुंडे 15 साल के शासन के दौरान अवामी लीग द्वारा कथित रूप से किए गए सभी गलत कामों के लिए न्याय की मांग कर रहे थे. सबसे हैरानी की बात यह है कि इस दौरान बांग्लादेश के राष्ट्रपिता के विरासत की हिफाजत के लिए मोहम्मद यूनूस सरकार का एक कॉन्स्टेबल भी वहां मौजूद नहीं था. बांग्लादेश के 24 जिलों में गुरुवार दिन-रात हिंसा होती रही. निशाने पर रहे शेख हसीना की पार्टी आवामी लीग के नेता. छात्र संगठनों की आड़ लिए गुंडे आवामी लीग के नेताओं के घर जला रहे हैं. बंग बंधु शेख मुजीबुर्रहमान की पेंटिंग्स जलाई जा रही हैं, प्रतिमाएं तोड़ी जा रही है या फिर इन प्रतिमाओं को काले रंगों से रंगा जा रहा है. इन गुंडों ने ही गुरुवार को शेख मुजीबुर्रहमान के ऐतिहासिक घर धानमंडी-32 के बचे खुचे हिस्से को भी जला दिया. बांग्लादेश के अखबार ‘ द डेली स्टार’ ने रिपोर्ट किया है कि प्रदर्शनकारियों का एक समूह धनमंडी-32 में नॉनवेज पार्टी का आयोजन कर रहा था, जबकि कल रात बंगबंधु शेख मुजीबुर्रहमान के ध्वस्त किये गये घर के अवशेष ले जाये जा रहे थे. **क्रोन और बुलडोजर लेकर पहुंचे निर्वासनकारी गुंडे** भारत में प्रवासित जीवन की रहीं शेख हसीना की ओर ऑनलाइन संबोधन के आयोजन के बाद बांग्लादेश में



उनके विरोधियों के कान खड़े हो गए. उन्होंने आनन-फानन में बुधवार को फेसबुक के जरिये बुलडोजर मार्च का आयोजन किया. बुधवार रात को धानमंडी-32 में बुलडोजर और क्रेन गरजने लगे, रात 2 बजे तक इस बिल्डिंग को तबाह कर दिया गया. बाकी रही सही कसर गुरुवार को पूरा की गई. और इस इमारत को तहस-नहस कर दिया गया. कथित प्रदर्शनकारी कई ऐतिहासिक चीजें लूट कर ले गए, धानमंडी-32 में ये प्रदर्शनकारी गुरुवार को दिन भर नारे लगाते रहे. दिल्ली या ढाका, ढाका. दलाली या मुक्ति, मुक्ति. **हसीना के घर सुधा-सदन को भी जलाया** धानमंडी-32 के बाद इन लफंगों की फौज ने धानमंडी-5 पर स्थित शेख हसीना के घर सुधा-सदन को भी जला दिया. देश के राष्ट्रीय धरोहरों की की तबाही-आगजनी और लूट पर मोहम्मद यूनूस सरकार की प्रतिक्रिया बेहद सतही और हैरान करने वाली है. बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने प्रदर्शनकारियों के प्रति नरमी दिखाते हुए कहा कि ये लोग शेख हसीना की भड़काऊ स्पीच से गुस्सा हो गए. गौरतलब है कि शेख हसीना जब भारत से बांग्लादेश में अपने कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रही थीं ठीक उसी समय गुंडे बंगबंधु शेख मुजीबुर्रहमान के घर को आग लगा रहे थे. **जनता के गुस्से का प्रकोप बता गई यूनूस सरकार** बांग्लादेश की

अंतरिम सरकार के चीफ मोहम्मद यूनूस ने कहा कि शेख मुजीबुर रहमान के आवास को ध्वस्त करना अनपेक्षित और अप्रत्याशित था, लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि यह बर्बरता भारत में रह रहीं शेख हसीना भड़काऊ बयानों के कारण पैदा हुए जनता के गुस्से का प्रकोप था. धानमंडी-32 को उपद्रवियों के हाथों छोड़ देने वाली यूनूस सरकार ने कहा कि जुलाई विद्रोह के खिलाफ भारत में रह रहीं शेख हसीना द्वारा दिए गए भड़काऊ बयानों से लोगों में गहरा गुस्सा पैदा हुआ है, जो इस घटना में प्रकट हुआ है. बांग्लादेश सरकार के बयान में कहा गया है कि हसीना ने जुलाई के विद्रोह में अपने प्राणों को आहुति देने वालों का अपमानित और अमर्यादित किया है और उन्होंने उसी लहजे में बात की है, जैसा वह सत्ता में रहते हुए बोलती थीं, जिसमें उन्होंने जन-विद्रोह में शामिल सभी लोगों को धमकाया था. **यूनूस विवाद में भारत को ला रहे हैं** यूनूस सरकार ने भले ही धानमंडी-32 की सुरक्षा के लिए कुछ नहीं किया लेकिन भारत पर अनर्गल बयानबाजी से बाज नहीं आई. इस बयान में आगे कहा गया है, सरकार को उम्मीद है कि भारत बांग्लादेश में अस्थिरता पैदा करने के लिए अपने क्षेत्र का इस्तेमाल नहीं होने देगा और शेख हसीना को बोलने नहीं देगा. अंतरिम सरकार नहीं चाहती कि भविष्य में ऐसी घटनाएं फिर से हों.

बांग्लादेश में अशांति के बाद वहां के विदेश मंत्रालय ने पहले भारत के उप उच्चायुक्त पवन बाधे के समक्ष विरोध दर्ज कराते हुए कहा कि हसीना की झुठी और मनगढ़ंत टिप्पणियां ढाका के विरुद्ध शत्रुतापूर्ण कार्य हैं. बांग्लादेश ने भारत से तत्काल उचित कदम उठाने, आपसी सम्मान और समझ की भावना से, उन्हें भारत में रहते हुए सोशल मीडिया और अन्य संचार माध्यमों का उपयोग करके इस तरह के झूठे, मनगढ़ंत और भड़काऊ बयान देने से रोकने के लिए कहा. **हसीना ने चेताया-** इतिहास बदला लेता है 77 वर्षीय हसीना पिछले साल 5 अगस्त से भारत में रह रही हैं, जब वे छात्रों के नेतृत्व में हुए बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन के बाद बांग्लादेश से भाग गई थीं. बुधवार रात को अपने भाषण में हसीना ने देशवासियों से मौजूदा शासन के विरुद्ध प्रतिरोध संगठित करने का आह्वान किया था. बांग्लादेशियों को संबोधित करते हुए हसीना ने भावुक आवाज में कहा कि पाकिस्तानी सैनिकों ने भी 1971 के मुक्ति संग्राम के दौरान घर को लूटा था, लेकिन इसे ध्वस्त नहीं किया था न हीं आग लगाई थी. हसीना ने अपने पिता के घर को ध्वस्त किए जाने के दौरान कहा, वे इमारत को ध्वस्त कर सकते हैं, लेकिन इतिहास को नहीं च सकते उन्हें यह भी याद रखना चाहिए कि इतिहास अपना बदला लेता है.

अमेरिका में 75 करोड़ का एक होटल बिक रहा महज 875 रुपए में! लेकिन पूरी करनी होगी ये शर्त

कोलोराडो । अगर आप अमेरिका में किसी सस्ती प्रॉपर्टी की तलाश में हैं तो शायद यह यह खबर आपके काम की हो सकती है। अमेरिका के कोलोराडो में एक होटल को सिर्फ 875 रुपए में बेचा जा रहा है। आपको यह जान कर भले ही हैरानी हो, लेकिन इस होटल की असल कीमत 9 मिलियन डॉलर यानी लगभग 75 करोड़ रुपये हैं। हालांकि आप सिर्फ 10 डॉलर खर्च कर इस जगह को अपना बना सकते हैं। बता दें कि डेनवर में मौजूद इस होटल में 96 कमरे हैं और इस वक्त इस पर शहर की सरकार का मालिकाना हक है। डेनवर डिपार्टमेंट ऑफ हाउसिंग से जुड़े एक अधिकारी ने बताया कि नए मालिक को ढूंढने की यह प्रक्रिया कई दिनों से जारी है। जानकारी के मुताबिक इस जगह को 2023 में स्टे इन मोटल को डेनवर शहर ने 9 मिलियन डॉलर में खरीदा था। सरकार ने कई बार इसकी छोटी-मोटी मरम्मत करवाई, लेकिन यह इमारत काफी समय



तक खाली ही रही। अब सरकार इस होटल की बिल्डिंग का इस्तेमाल गरीब और बेघरों की मदद के लिए करना चाहती है। एक रिपोर्ट के मुताबिक इस होटल को खरीदने के लिए आपको सिर्फ एक शर्त पूरी करनी होगी। सस्ते दाम में होटल को खरीदने के लिए खरीददार को पूरी इमारत का रिनोवेशन कराने

के लिए सहमत होना होगा। इसके अलावा इस होटल को बेघर लोगों के लिए रेसिडेंसियल जगह में बदलने के लिए सहमत होना होगा। जानकारी के मुताबिक इस होटल को एक कॉन्ट्रैक्ट के साथ बेचा जाएगा जिसके तहत इसे 99 सालों तक यहां रहने वाले किसी से भी किराया नहीं वसूला जा सकता है।

अमेरिका 10 लोगों को ले जा रहा विमान अलास्का के ऊपर से हुआ लापता

नई दिल्ली. अमेरिका में एक बेरिंग एयर फ्लाइट जिसमें 10 लोग सवार थे, गुरुवार दोपहर अलास्का के नोम के पास से अचानक लापता हो गया. यह विमान अलास्का के उन्नालक्लीट शहर से दोपहर 2:37 बजे (लोकल टाइम) उड़ान भरने के बाद 3:16 बजे रडार से गायब हो गया. यह जानकारी फ्लाइट ट्रैकिंग वेबसाइट फ्लाइट्रडार के डेटा से मिली है. लापता विमान सेसना 208B ग्रैंड कारवां था, जिसमें एक पायलट समेत कुल 10 लोग सवार थे. समाचार एजेंसी रॉयटर्स ने अलास्का के सार्वजनिक सुरक्षा विभाग के हवाले से बताया कि तलाशी अभियान जारी है. छोटे टर्बोप्रॉप सेसना कारवां विमान में कुल 10 लोग सवार थे, जिनमें 9 यात्री और



1 पायलट शामिल था. एजेंसी ने अपनी वेबसाइट पर यह जानकारी दी और बताया कि टीमें विमान के आखिरी लोकेशन का पता लगाने की कोशिश कर रही हैं. अमेरिकी सरकार के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ऑक्सुपेशनल सेफ्टी एंड हेल्थ के अनुसार अमेरिका के बाकी राज्यों की तुलना में अलास्का में एयर टैक्सी और छोटे विमानों की दुर्घटनाएं ज्यादा होती हैं. अलास्का

में पहाड़ी इलाका और मुश्किल मौसम होता है. यहां कई गांव सड़क से नहीं जुड़े हैं, इसलिए लोगों और सामान की आवाजाही के लिए छोटे विमानों का इस्तेमाल किया जाता है. बेरिंग एयर अलास्का की एक क्षेत्रीय एयरलाइन है जो करीब 39 विमान और हेलिकॉप्टर संचालित करती है. यह जानकारी फ्लाइट ट्रैकिंग वेबसाइट *फ्लाइट्रडार24 के डेटा में दी गई है.

ब्राजील के स्कूलों में बच्चे नहीं कर पाएंगे स्मार्टफोन का इस्तेमाल नया कानून बनाकर सरकार ने लगाया बैन

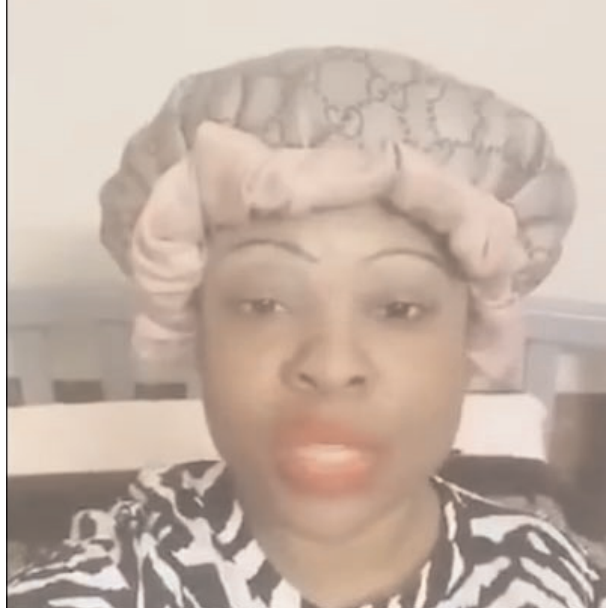
ब्राजील के स्कूलों में अब बच्चे स्मार्टफोन का इस्तेमाल नहीं कर पाएंगे। सरकार ने नया कानून बनाकर स्कूलों में स्मार्टफोन इस्तेमाल करने पर प्रतिबंध लगा दिया। राष्ट्रपति लुइज लुला डी सिल्व्वा ने जनवरी में इस कानून पर हस्ताक्षर कर दिए थे। इससे पहले अमेरिका और यूरोपीय देशों के स्कूलों में भी स्मार्टफोन पर प्रतिबंध है। ब्राजील के कानून के मुताबिक निजी और सरकारी स्कूलों दोनों में यह प्रतिबंध रहेगा और बच्चे कक्षाओं और स्कूल सभागारों में मोबाइल फोन का इस्तेमाल प्रतिबंधित रहेगा। **कानून में कुछ छूट भी दी गई हैं** हालांकि शैक्षिक उद्देश्यों के लिए, शिक्षक की अनुमति से या स्वास्थ्य संबंधी स्थिति में फोन का उपयोग किया जा सकता है। कानून में स्कूलों को खुद के दिशा-निर्देश निर्धारित

करने की भी छूट दी गई है, जिसके तहत स्कूल छात्रों को फोन को बैकपैक में रखने, लॉकर में रखने या तय जगह पर रखने की अनुमति दे सकेंगे। ब्राजील की संघीय सरकार द्वारा कानून बनाने से पहले ब्राजील के 26 राज्यों में पहले से ही स्कूलों में स्मार्टफोन के इस्तेमाल पर प्रतिबंध के कुछ न कुछ प्रावधान हैं। सरकार से फोन पर प्रतिबंध लगाने से पहले हुए एक सर्वे में ब्राजील के तीन चौथाई लोगों ने माना कि स्मार्टफोन के इस्तेमाल से उनके बच्चों को फायदों के बजाय नुकसान ज्यादा हुए हैं। **सामाजिक अलगाव भी प्रतिबंध की बड़ी वजह** शिक्षकों का कहना है कि फोन के इस्तेमाल से छात्रों को ध्यान केंद्रित करने में परेशानी हो रही है। साथ ही सामाजिक अलगाव भी एक बड़ा मुद्दा है। जो छात्र तकनीक का ज्यादा इस्तेमाल करते हैं, वे स्कूल

में ब्रेक के दौरान खुद को अलग-थलग कर लेते हैं और सोशल मीडिया के जरिए ही लोगों से जुड़ते हैं। ये भी एक वजह रही कि ब्राजील की सरकार ने स्मार्टफोन पर प्रतिबंध लगाने का फैसला किया। ब्राजील के शिक्षा मंत्रालय ने सोमवार को एक बयान में कहा कि प्रतिबंध का उद्देश्य छात्रों के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य की रक्षा करना है, साथ ही तकनीक के ज्यादा तर्कसंगत इस्तेमाल को बढ़ावा देना है। मई में, एक प्रमुख थिंक-टैंक फंडाकाओ गेटुलियो वर्गास ने कहा था कि ब्राजील में लोगों की तुलना में ज्यादा स्मार्टफोन हैं। स्थानीय बाजार शोधकर्ताओं ने पिछले साल कहा था कि ब्राजील के लोगों का स्क्रीन पर प्रतिदिन 9 घंटे और 13 मिनट बिताते हैं, जो दुनिया में सबसे ज्यादा इस्तेमाल की दरों में से एक है।

अमेरिकी महिला प्रेमी से मिलने पाकिस्तान पहुंची दो बच्ची की हैं मां, वापस जाने रखी ये डिमांड

नई दिल्ली । पाकिस्तान प्रेमी की तलाश में पाकिस्तान पहुंची अमेरिकी महिला अब अपने वतन लौट रही हैं। वह महीनों तक पाकिस्तान में रहीं और सरकार से मोटी रकम की मांग करती रहीं। खास बात है कि महिला के दो बच्चे भी हैं और उनके प्रेमी की उम्र 19 साल बताई जा रही है। युवक के परिवार के इनकार के बाद वह प्रेमी के घर के बाहर बैठी रहीं।मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, महिला का नाम ओनिजाह एंड्रयू रॉबिन्सन है। उनकी उम्र 33 साल है। वह 19 साल के निदाल अहमद मेनन से मिलने के लिए न्यूयॉर्क से कराची आई थीं। यहां आने के बाद मेमन के परिवार ने रिश्ते से इनकार कर दिया, जिसके चलते वह एक्सपायर हो चुके वीजा के साथ मुल्क में ही फंस गईं। वह मेमन के ताला लगे घर के बाहर बैठी रहीं। पाकिस्तानी यूट्यूबर जफर अब्बास ने



ओनिजाह के बारे में सोशल मीडिया पर पोस्ट किया था, जिसके बाद मामले ने तूल पकड़ी। इसके बाद उन्हें सिंध के गवर्नर

भी उन्होंने जाने से इनकार कर दिया था और मांग करने लगी थीं। उन्होंने पाकिस्तान में प्रेस कॉन्फ्रेंस भी की। रिपोर्ट्स के अनुसार, ओनिजाह ने मेमन से हर सप्ताह 3 हजार डॉलर और पाकिस्तान की नागरिकता की भी मांग की थी। उन्होंने यह भी दावा किया था कि मेमन से उनकी शादी हो चुकी है और जल्द दुबई में परिवार शुरू करने वाले हैं। खबरें हैं कि इसके बाद भी ओनिजाह ने 20 हजार डॉलर नगद समेत 1 लाख डॉलर की मांग पाकिस्तान सरकार से की थी। खास बात है कि उनके बेटे ने दावा किया है कि ओनिजाह को बाइपोलर डिसॉर्डर है और वह मानसिक रूप से बीमार हैं। उन्होंने यह भी बताया कि परिवार के सदस्यों ने उन्हें वापस अमेरिका लौटने के लिए मनाया, लेकिन वह नहीं मानीं। इसके बाद ओनिजाह को अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

ईरान में हिजाब के विरोध में मुस्लिम महिला ने उत्तार दिए कपड़े, नन होकर पुलिस वाहन पर चढ़कर किया हंगामा

तेहरान । इस्लामिक देश ईरान ने वैसे तो पिछले साल दिसंबर में ही सख्त हिजाब कानून को लागू करने पर रोक लगो दी है लेकिन अभी भी वहां हिजाब बैन के खिलाफ महिलाएं हल्ला बोल रही हैं। इसी तरह के एक वाकए में ईरान के दूसरे सबसे बड़े शहर मशहद में एक महिला ने सार्वजनिक तौर पर विरोध-प्रदर्शन करते हुए पहले अपने सभी कपड़े उतार दिए फिर नग्न होकर पुलिस वाहन के बोनट पर खड़ी होकर हंगामा करने लगीं। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो में महिला सशस्त्र बलों के अधिकारियों पर चिल्लाती हुई दिखाई दे रही है। ईरानी पत्रकार और सामाजिक कार्यकर्ता मसीह अलीनेजाद ने महिला की इस करतूत का एक वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किया

है। वीडियो में दिख रहा है कि हंगामा करने वाली महिला पुलिस की गाड़ी पर चढ़कर विंडशील्ड की ओर बढ़ते हुए और अपने दोनों पैरों को फैलाकर बैठ रही है। महिला की हालत देखकर वहां मौजूद एक सशस्त्र पुरुष अधिकारी मामले में दखल देने में हिचकिचाता हुआ दिखाई दे रहा है। वीडियो के अंत में महिला ने अपने हाथ ऊपर उठा लिए और विरोध में चिल्लाने लगीं। महिला इस्लामी गणराज्य में महिलाओं के लिए सख्त प्रावधानों का विरोध कर रही थी। वह शरीर की पूरी तरह से ढकने से इनकार भी करती दिखी। हालांकि, हंगामा बढ़ने पर उस महिला के पति ने कहा कि फिलहाल उसका इलाज चल रहा है और उसकी हालत ठीक नहीं है। बता दें कि दिसंबर में, ईरानी सांसद ने

विवादास्पद ‘पवित्रता और हिजाब’ कानून पारित किया था, जिसमें उन महिलाओं और लड़कियों पर कठोर दंड का प्रावधान किया गया था जो अपने बाल, हाथ या पैर का प्रदर्शन करती हैं। हालांकि, महिलाओं के व्यापक विरोध के बाद ईरानी सरकार झुक गई थी और इस कानून को लागू करने पर रोक लगा दी थी। तब ईरानी सरकार ने कहा था कि इसमें सुधार की जरूरत है। एमनेस्टी इंटरनेशनल समेत कई वैश्विक संगठनों ने ईरान के इस कानून की निंदा की थी और इसे दमनकारी और दमघोड़ व्यवस्था को मजबूत करने की कोशिश कहा था। प्रस्तावित कानून में भारी जुर्माना और बार-बार अपराध करने वालों के लिए 15 साल तक की कैद का भी प्रावधान किया गया था।

विवादास्पद ‘पवित्रता और हिजाब’ कानून पारित किया था, जिसमें उन महिलाओं और लड़कियों पर कठोर दंड का प्रावधान किया गया था जो अपने बाल, हाथ या पैर का प्रदर्शन करती हैं। हालांकि, महिलाओं के व्यापक विरोध के बाद ईरानी सरकार झुक गई थी और इस कानून को लागू करने पर रोक लगा दी थी। तब ईरानी सरकार ने कहा था कि इसमें सुधार की जरूरत है। एमनेस्टी इंटरनेशनल समेत कई वैश्विक संगठनों ने ईरान के इस कानून की निंदा की थी और इसे दमनकारी और दमघोड़ व्यवस्था को मजबूत करने की कोशिश कहा था। प्रस्तावित कानून में भारी जुर्माना और बार-बार अपराध करने वालों के लिए 15 साल तक की कैद का भी प्रावधान किया गया था।

